नई दिल्ली
रविवार, 5 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 29, अंक : 351
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32
न्यून. 19

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सादगी ने जीता वाराणसी के लोगों का दिल

एयरपोर्ट जाते वक्त श्रीराम भंडार पर रुकवाया काफिला, कचौड़ी-जलेबी का चखा स्वाद, लोगों से किया संवाद

■ एक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर स्थानीय लोग बेहद उत्साहित थे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार की सुबह अपनी सादगी और व्यवहार से वाराणसी के लोगों को दिल जीत लिया। उनका काफिला जब एयरपोर्ट की ओर जा रहा था, तभी अचानक वे मिंट हाउस स्थित श्रीराम भंडार पर रुक गए। पहले तो यहां उन्होंने परिवार के साथ बनारस की मशहूर कचौड़ी, पूरी-राम भाजी, जलेबी और लस्सी का स्वाद चखा। इसके बाद दुकानदार और वहां मौजूद लोगों के साथ संवाद किया। एक मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर पहले तो स्थानीय लोगों को यकीन नहीं हुआ। फिर लोग उनसे मिलकर उत्साहित हुए। लोग डॉ. यादव की सादगी देख प्रभावित हुए और उनकी प्रशंसा की।

व्यंजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के हर प्रांत और शहर की अपनी विशिष्ट खान-पान की शैली होती है, जो वहां की पहचान होती है। स्थानीय स्वाद और पारंपरिक व्यंजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्थानीय लोगों ने डॉ. यादव से मुलाकात कर खुशी जाहिर की और उनके इस अंदाज की सराहना की। कई लोगों ने उनसे बातचीत भी की। लोगों का कहना था कि डॉ. यादव से मिलकर ऐसा लगा ही नहीं कि वे किसी मुख्यमंत्री से बात कर रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने असम के श्रीभूमि और लखीपुर में आयोजित जनसभाओं में कांग्रेस पर साधा निशाना

असम में कभी गोलियों की गूंज सुनाई देती थी आज हर गली-मोहल्ले में विकास की गूंज: नवीन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को असम के श्रीभूमि और लखीपुर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में एनडीए सरकार ने असम में विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है, कभी असम और बराक वैली के क्षेत्र को वोट बैंक की राजनीति के कारण अपराध का गढ़ बना दिया गया था। बराक वैली में अशांति का वातावरण था, लोग सड़कों की समस्या से परेशान रहते थे और गुवाहाटी से बराक वैली तक आने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और बराक वैली तक पहुंचने में किसी को कोई कठिनाई नहीं होती। उन्होंने राज्य में हुए सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए जनता से पुनः भाजपा को प्रचंड जनादेश देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया, भाजपा असम प्रभारी हरीश द्विवेदी, सह प्रभारी सुनील शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, सांसद कामद पुरकायस्थ, लखीपुर से प्रत्याशी

कौशिक रॉय, सिलचर के प्रत्याशी राजदीप रॉय, रामकृष्ण नगर से प्रत्याशी बिजॉय मलाकर सहित अन्य वरिष्ठ नेतागण एवं पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। नवीन ने कहा कि असम की जनता का उत्साह यह स्पष्ट संकेत दे रहा है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस के शासन काल में रोजगार के लिए लोग दर-दर भटकते थे, परेशान रहते थे। न यहां बेटी सुरक्षित थी, न माटी सुरक्षित थी। असम ने वह दौर भी देखा जब पूर्व सरकारों ने घुसपैठियों की चिंता की लेकिन असम के लोगों की कोई चिंता नहीं की, इसी कारण असम की जनता ने उन्हें दंड भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा इस बात को लेकर निरंतर चिंतित रहते हैं कि असम के लोगों के जीवन में खुशहाली कैसे लाई जाए और राज्य के हर घर तक विकास की रोशनी कैसे पहुंचाई जाए। एक समय था, जब असम में केवल तुष्टिकरण की राजनीति होती थी लेकिन आज विकास की राजनीति हो रही है। एक ऐसा समय था, जब असम के लोग अस्थिरता के दौर से गुजर रहे थे, परंतु अब उन्हें एक निर्णायक और सक्षम नेतृत्व वाली सरकार मिली है। असम की सोच बदली है, दिशा बदली है और अब उसकी दशा भी बदल रही है और यह परिवर्तन असम की जनता के आशीर्वाद से संभव हुआ है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब गुवाहाटी में बैठकर अपने महल बनाने की चिंता की जाती थी और दिल्ली में बैठी सरकार अपने आशियाने तक ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

ईरान ने भारत को मित्र देश के साथ सुरक्षित हाथों में होने का आश्वासन देने से जुड़ा घटनाक्रम

युद्ध के हालात में 'होर्मुज स्ट्रेट' का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता भारत, निकाले 8 जहाज

■ वर्तमान में फारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद हैं भारत के डेढ़ दर्जन से अधिक जहाज।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका, इजरायल के साथ 1 महीने से अधिक वक्त से चल रहे ईरान के भीषण युद्ध के बीच भारत की चर्चा जोरों पर है। कारण, 28 फरवरी को हुई युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक उसके ही सबसे ज्यादा कच्चे-तेल और गैस के कुल 8 जहाजों के होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) को सुरक्षित ढंग से पार करना है। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग से दुनिया के बाकी देशों के जहाज नहीं गुजर रहे हैं। ईरान ने हाल ही में भारत समेत दुनिया के जिन देशों (चीन, रूस, पाकिस्तान, इराक) को अपने मित्र देश की श्रेणी में शामिल किया है। उनकी भी यहां से आवाजाही बनी हुई है। हां, इतना जरूर है कि जहाजों की संख्या कम-ज्यादा हो सकती है। इसी महीने 2 अप्रैल को ईरान ने भारत की ऊर्जा सप्लाई को सुनिश्चित बनाए रखने के लिए सुरक्षित हाथों में होने का आश्वासन भी दिया था। उक्त घटनाक्रम में यह तथ्य भी मुख्य रूप से शामिल है।

ईरान को इन देशों से अलग करता होर्मुज

होर्मुज की खाड़ी दरअसल फारस और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित एक संकरा जलमार्ग है। जो ईरान को ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से अलग करता है। इसे दुनिया के सबसे व्यस्ततम व्यापारिक समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है। जहां से विश्व को लगभग 20% से 25% ऊर्जा उत्पादों की सप्लाई की जाती है। जलडमरूमध्य के सबसे संकरे स्थान पर इसकी चौड़ाई महज 33 से 39 किलोमीटर है। इसके दोनों ओर के तटों की दूरी बहुत कम है। वहीं, होर्मुज की गहराई इतनी ज्यादा है कि यहां से बड़े-बड़े तेल के जहाज आसानी से गुजर सकते हैं। इसी जलमार्ग से सऊदी अरब, ईरान, इराक, कुवैत, कतर और यूएई जैसे खाड़ी क्षेत्र के तमाम देश अपने तेल, गैस और एलएनजी की सप्लाई दुनिया को करते हैं। युद्ध में ईरान द्वारा जलडमरूमध्य को नियंत्रित और एक प्रकार से बंद करने की धमकियों की वजह से हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। तेहरान ने साफ कर दिया है कि वो यहां से अमेरिका, इजरायल और उनके गठबंधन सहयोगी देशों के जहाजों को सुरक्षित नहीं जाने देगा।

इन 8 जहाजों ने पार की होर्मुज

होर्मुज जलडमरूमध्य को पार करने वाले 8 भारतीय जहाजों में शिवालिक, नंदा देवी, जग लाडकी, पाइन गैस, जग वसंत, बीडब्ल्यू टायर, बीडब्ल्यू एल्म और ग्रीन सान्वी शामिल हैं। जहाजों के जरिए देश में काफी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थों (तेल, गैस, एलएनजी और उर्वरक) की जरूरी खेप पहुंची है। जिससे सरकार आम उपभोक्ताओं की ऊर्जा जरूरतों की प्राथमिकता के आधार पर पूर्ति कर रही है। युद्ध के दौर में भारत के लिए यह राहत की बड़ी खबर है। क्योंकि जलडमरूमध्य के रास्ते से उसकी 70% से ज्यादा ऊर्जा सप्लाई होती है। भविष्य में होर्मुज पार करने वाले जहाजों की संख्या में और अधिक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

ओमान की खाड़ी में नौसेना की तैनाती

उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन संकल्प के जरिए वर्ष 2019 से खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नौसेना के जंगी युद्धपोतों की तैनाती बनी हुई है। जिसका उद्देश्य अरब सागर और अदन की खाड़ी में शिपिंग लाइंस यानी उन कंपनियों को सुरक्षा प्रदान करना है। जो समुद्र के रास्ते मालवाहक जहाजों के माध्यम से कंटेनर का परिवहन करती हैं। वहीं, युद्ध के बीच नौसेना के करीब तीन से चार युद्धपोत ओमान की खाड़ी में मौजूद हैं। होर्मुज को पार कर मालवाहक जहाज ओमान की खाड़ी की ओर ही जाते हैं। वहां से ही उनकी भारत यात्रा शुरू होती है। ओमान में नौसेना के जहाज इन्हें अपनी निगरानी में सुरक्षा कवच प्रदान करते हुए खाड़ी पार कराते हैं। जिसके बाद यह देश की ओर यात्रा शुरू करते हैं।

फारस की खाड़ी में हैं कई जहाज

केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय के एक अधिकारी ने बीते दिनों हुई अंतर-मंत्रालयी मीडिया ब्रीफिंग में बताया था कि फारस की खाड़ी में भारत के 15 से 18 जहाज जरूरी ऊर्जा सप्लाई की खेप लिए हुए खड़े हैं। जिनमें सवार नाविकों की संख्या 485 है। यह सभी सुरक्षित हैं और इनके संबंध में किसी घटना की सूचना मंत्रालय को नहीं मिली है। शिपिंग महानिदेशक लगातार हालात पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। कंट्रोल रूम द्वारा 4 हजार 500 से अधिक फोन कॉल और 10 हजार ईमेल का जवाब दिया जा चुका है। 28 फरवरी को युद्ध के आगाज के बाद से लेकर अब तक 975 नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी हुई है।

सरकार के काम की सलाह

चुनौतीपूर्ण हालात को देखते हुए केंद्र ने कहा कि देश के पास अगले 60 दिनों का पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का स्टॉक मौजूद है। इसलिए लोगों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। लेकिन सुरक्षा उपाय की तर्ज पर आमजन से ज्यादा से ज्यादा पीएनजी कनेक्शन लेने की अपील की गई है। जिससे एलपीजी पर बने हुए दबाव को कम किया जा सकेगा। इसके अलावा सरकार की प्राथमिकता में भी घरेलू उपभोक्ता ही शीर्ष पर बने हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल (ब्रेंट मुख्य है) की कीमतों में उछाल ▶▶ शेष पेज 5 पर

केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मामले पर साफ किया सरकार का रुख

ईरान से तेल लेकर भारत आ रहे जहाज ने भुगतान समस्या के चलते नहीं पकड़ी चीन की राह

■ मीडिया में मामले को लेकर आई तमाम खबरों को बताया पूरी तरह से गलत और भ्रामक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका से जारी युद्ध के बीच ईरान से करीब 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर भारत आ रहे 'पिंग शुन' नामक जहाज द्वारा अचानक बीच समुद्र में अपना मार्ग बदलकर चीन की ओर मुड़ने के पीछे की वजह नई दिल्ली की भुगतान की समस्या नहीं है। इस संबंध में मीडिया में आई तमाम खबरें पूर्णतः गलत और भ्रामक हैं। भारत वर्तमान में दुनिया के कुल 40 से अधिक देशों से कच्चे-तेल और गैस का आयात कर रहा है। तेल कंपनियों को जरूरत के मुताबिक अपना सप्लायर चुनने का पूरा अधिकार होता है। यह जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम-प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए दी है। जिसमें यह भी बताया है कि तेल के व्यापार में जहाजों द्वारा मार्ग बदलना एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

यूं मीडिया की सुर्खियों में छाया 'पिंग शुन'

दरअसल भारत ने अमेरिका के प्रतिबंधों की वजह से वर्ष 2019 से ईरान से तेल की खरीद पर पाबंदी लगा रखी है। ऐसे में अगर पिंग शुन जहाज ईरानी तेल लेकर भारत आता, तो यह बीते 7 वर्षों में भारत पहुंचने वाली ईरान के तेल की पहली खेप होती। यही कारण है कि यह मामला मीडिया में इतना चर्चित हुआ है। पिंग शुन जहाज पिछले महीने 4 मार्च को ईरान के खर्ग द्वीप से 6 लाख बैरल तेल लोड कराकर भारत के गुजरात स्थित वाडिनार के लिए चला था। इसे 4 अप्रैल को वाडिनार पहुंचा था। लेकिन अचानक बीच समुद्र में जहाज ने अपना रास्ता बदलकर चीन को अगले गंतव्य के रूप में चुन लिया।

अमेरिका की मासिक छूट का नतीजा

मालूम हो कि भारत द्वारा ईरान से की गई तेल की यह खरीद बीते वक्त में अमेरिका द्वारा ईरानी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में दी गई 30 दिनों की छूट के आधार पर की जा रही थी। 2019 से पहले भारत ईरान से तेल की खरीद करने वाला तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश था। जबकि अमेरिका की पाबंदियों के बाद उसे सऊदी अरब, इराक और रूस से तेल खरीद करनी पड़ रही है। ऊर्जा उत्पादों की कुछ खेप अमेरिका से भी स्वदेश पहुंची है।

खबर संक्षेप

संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव घातक होगा

पटना। लोकतंत्र की मजबूती और निष्पक्ष शासन के लिए संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को बेहद

जरूरी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि चुनाव आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रहना चाहिए। इससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहती है। कार्यक्रम में जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि संविधान ने जानबूझकर ऐसी संस्थाओं का निर्माण किया है, जो शासन के अहम क्षेत्रों की निगरानी करें।

ममता के हेलिकॉप्टर के पास दिखा 'ड्रोन'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मालदा के मालतीपुर में मुख्यमंत्री ममता

बेनर्जी की जनसभा में हड़कंप मच गया। जैसे ही जनसभा खत्म हुई और इससे पहले कि वह अपनी अगली मंजिल के लिए रवाना हो पातीं, मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर के ठीक सामने एक ड्रोन मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही वे गुस्से से लाल हो गईं। उन्होंने तुरंत ड्रोन के सोर्स की जांच करने और उसे उड़ाने वाले व्यक्ति की पहचान के आदेश दिए।

शशि थरूर के अंगरक्षक और ड्राइवर की पिटाई, चुनाव आयोग ने दिखाई सख्ती, 2 गिरफ्तार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केरल के मलप्पुरम जिले के वंडूर में शशि थरूर के काफिले को रोकने और दुर्व्यवहार करने की घटना पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। आचार संहिता की वजह से सूबे में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया मामले सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार, चुनावी कार्यक्रम के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने थरूर के काफिले को जबरन रोकने की कोशिश की। इस दौरान उनके सुरक्षा कर्मियों और ड्राइवर के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की घटना भी सामने आई, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई ▶▶ शेष पेज 5 पर

पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद हरकत में चुनाव आयोग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था में गंभीर चूक को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने 159-भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो और नामांकन प्रक्रिया के दौरान हुई अव्यवस्था के मामले में चार पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। आयोग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई में कोई देरी न की जाए। जिन अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है, उनमें कोलकाता पुलिस ▶▶ शेष पेज 5 पर

नासिक के पास भीषण सड़क हादसा

कुए में जा गिरी कार, एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले के दिंडोरी तालुका में शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया। एक मारुति एक्सएल 6 कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित पानी से भरे कुए में जा गिरी, जिसमें सवार 9 लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे में मरने वालों में एक ही परिवार के 9 सदस्य शामिल थे। हादसा दिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पीड़ित लोग दिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। मृतकों की पहचान ▶▶ शेष पेज 5 पर

केदारनाथ धाम में बिछी बर्फ की चादर

22 अप्रैल को खुलेंगे कपाट, यात्रा तैयारियों की थमी रफ्तार

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में एक बार फिर शनिवार को तेज तूफान और ओलावृष्टि की चेतावनी है। वहीं केदारनाथ धाम में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। जहां एक ओर 22 अप्रैल को होने वाले कपाट उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर थीं, वहीं दूसरी ओर लगातार हो रही भारी बर्फबारी ने मजदूरों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। जिन ▶▶ शेष पेज 5 पर

चिनार कोर के साथ उत्तरी-कश्मीर में एलओसी से सटे इलाकों में की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

सीडीएस जनरल चौहान ने जम्मू-कश्मीर में परखी सुरक्षा तैयारियां

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की अगले महीने 7 मई को पहली वर्षगांठ है। लेकिन उससे ठीक पहले देश में पहले दो बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। पहली में बीते दिनों केरल में एक सैन्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए ईरान-अमेरिका युद्ध की आड़ में भारत के खिलाफ कोई षड्यंत्र रचने की स्थिति में नई दिल्ली द्वारा करारा

जवाब दिए जाने का ऐलान किया है। वहीं, दूसरी घटना में शनिवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उत्तरी-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) सहित सेना की 15वीं कोर के रणनीतिक इलाकों का दौरा कर वहां बने हुए सुरक्षा हालात का विस्तृत रूप से जायजा लिया है। जिसकी जानकारी एक बयान के ▶▶ शेष पेज 5 पर

नई सोच संग आगे बढ़ने की दरकार

कोर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसलिए महज एक केंद्रित डोमेन की सोच से इतर मजबूत और एकीकृत संरचना पर आधारित बहु-डोमेन संचालन की ओर बढ़ना जरूरी है। उन्होंने निर्णायक परिणाम के लिए संयुक्तता जमीन, वायु, समुद्र, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक क्षेत्रों में निर्बाध एकीकरण को अत्यंत आवश्यक बताया है। भविष्य के युद्ध के लिए तेजी से संयुक्त प्रशिक्षण, सिद्धांतों के सामंजस्य और सभी क्षेत्रों में समन्वित प्रभाव के लिए अंतर-संचालनीय कमान और नियंत्रण संरचनाओं के विकास का आह्वान किया है।

तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि पहले ही पार्टी की कोर कमेटी को बता दिया था इरादा

एआईडीएमके साथ गठबंधन में राज्य की 27 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है भाजपा

अन्नामलाई बोले विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला मेरा था, पार्टी के लिए करूंगा प्रचार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तमिलनाडु भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने शनिवार को साफ किया कि उन्होंने विधानसभा चुनाव न लड़ने का फैसला किया था। भाजपा द्वारा जारी अपने 27 उम्मीदवारों की लिस्ट में अन्नामलाई नाम न होने के बाद से राजनैतिक हलकों में इसे लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही थी। चेन्नई में पत्रकारों से बात करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने के अपने फैसले की जानकारी पहले ही पार्टी की कोर कमेटी को पहले ही दे दी थी। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने लिखित में बता दिया था कि वे किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ेंगे। अन्नामलाई ने कहा कि वह एनडीए उम्मीदवारों के लिए

प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा, मैं एक कार्यकर्ता हूं और एनडीए को 210 सीटें जिताने के लक्ष्य के साथ हमारे सभी विजयी भाजपा और अन्य एनडीए उम्मीदवारों के लिए कंधे से कंधा मिलाकर प्रचार करूंगा। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में चुनाव होंगे. वोटों की गिनती 4 मई को होगी। उन्होंने कहा कि मैंने कोर कमेटी को लिखित में पहले ही बता दिया था कि मैं किसी भी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ूंगा. इसलिए ये सच नहीं है कि मुझे टिकट देने से इनकार किया गया बल्कि सच्चाई यह है कि मैंने चुनाव न लड़ने का फैसला किया।" भाजपा नेता ने कहा कि मीडिया में इस मामले पर चर्चा होने के कारण वे स्पष्टीकरण दे रहे हैं। उन्होंने कहा, चूंकि यह मामला मीडिया में चर्चा का विषय बन गया है, इसलिए मैं यहां स्पष्टीकरण दे रहा हूं। अन्नामलाई ने अपने फैसले का सम्मान करने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे गठबंधन के लिए प्रचार पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा, मैं भाजपा नेतृत्व का आभारी हूं कि उन्होंने मेरे फैसले का सम्मान किया और मुझे एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करने का अवसर दिया।

खबर संक्षेप

मुठभेड़ के बाद कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। हत्या और चोरी के कई मामलों में शामिल अपराधी को पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मोहम्मद सलीम उर्फ गंजा (48) को दक्षिण पूर्वी जिले की एसटीएफ टीम ने गिरफ्तार किया। सलीम के खिलाफ करीब 75 मामले दर्ज बताये गये हैं। इसके पास से एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल भी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार सलीम का संबंध नासिर-दानिश पहलवान गैंग से पता चला है। वह 20 से अधिक आपराधिक मामलों में वांछित था, जिसमें बदरपुर थाने का एक चोरी का मामला भी शामिल है। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी। मोहम्मद सलीम उर्फ गंजा पुत्र मोहम्मद असलम गांव सैंथल, हाफिज गंज, बरेली, यूपी का रहने वाला है। वह उत्तर-पूर्वी दिल्ली के एक कुख्यात अपराधी सलीम पहलवान की हत्या में भी शामिल रहा है। उस हत्या के मामले में उसने 8 साल की सजा भी काटी है।

युवक को चाकू मारने वाले तीन नाबालिग दबोचे

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले के दयालपुर इलाके में एक युवक को चाकू मारने का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। इस सिलसिले में तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है। इनसे अपराध में इस्तेमाल तीन चाकू भी बरामद हो गये हैं। पुलिस के अनुसार शुक्रवार की शाम को दयालपुरा थाने को जेपीसी अस्पताल से एक घायल व्यक्ति को मृत अवस्था में लाये जाने की सूचना मिली। मृतक की पहचान कैफ (26) पुत्र निजाम, निवासी न्यू मुस्तफाबाद के रूप में हुई। जांच के दौरान पता चला कि पीड़ित को 25 फुटा रोड पर एक दुकान के पास उसके जान-पहचान के कुछ लोगों ने चाकू मारा था। केस दर्ज कर गठित विशेष टीमों ने विभिन्न जगहों पर छापे मारे। मुखबरों से मिली सूचना के आधार पर लगभग 16 वर्ष की आयु के तीन नाबालिगों को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि मृतक के साथ उनका पुराना विवाद चल रहा था।

झगड़े में किशोर के दोनों गाल हुये जख्मी

नई दिल्ली। बाहरी इलाके के सुल्तानपुरी में झगड़े के दौरान एक 14 वर्षीय किशोर के दोनों गाल जख्मी हो गये। हमले का आरोप दो युवकों पर है। पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है। पुलिस के अनुसार एफ6 ब्लॉक के पास झगड़े की एक घटना हुई। इसमें एक 14 वर्षीय लड़का घायल हो गया। उसके बाएं और दाएं गाल पर गहरे घाव हो गए थे। इस घटना के बारे में पीसीआर को कोई कॉल नहीं की गई थी। घायल लड़के की एमएलसी मंगोलपुरी के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में करवाई गई, जहां डॉक्टर ने घावों के आकार का जिक्र नहीं किया। जांच पड़ताल में पता चला कि यह झगड़ा घायल लड़के और दो अन्य लड़कों के बीच हुआ था। उन दो लड़कों में से एक की उम्र लगभग 16 और दूसरे की उम्र लगभग 18-20 साल बताई जा रही है। पीड़ित किशोर के बयान दर्ज करने के बाद संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले में एक नाबालिग को हिरासत में ले लिया गया है। दूसरे आरोपी की तलाश जारी है।

हरि नगर में युवती की हत्या के आरोप में मां भी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हरि नगर में 19 वर्षीय युवती की हत्या केस में पिता और भाई के बाद मां को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी मां का नाम रबिया खातून बताया गया है। इससे पहले पुलिस ने युवती के पिता मोहम्मद मनीर (55) और भाई मेराज अली (19) को गिरफ्तार किया था। भाई ने कथित तौर पर युवती के हाथ पकड़े थे और माता-पिता ने तकिए से मुंह दबाया था। परिवार ने इस हत्या को चचेरे भाई के साथ कथित संबंधों को लेकर अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि मौत का कारण दम घुटना था।

पुलिस के अनुसार यह घटना एक अप्रैल को दोपहर करीब दो बजे पीसीआर पर सूचना मिलने के बाद सामने आई थी। आरोप लगाया गया था कि एक युवती की उसके परिजनों ने हत्या कर दी है और उसके शव को दफनाने के लिए ले जाया जा रहा है। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये मोर्चरी भिजवाया। जांच में पता चला कि परिवार वालों ने युवती को उसके चचेरे भाई के साथ देखा था। उसकी पिटाई की गई थी और उसे कुछ दिनों तक घर में कैद भी रखा गया था। युवती पिछले दो साल से चचेरे भाई के साथ रिश्ते में थी। पिता, भाई और मां इसका कड़ा विरोध कर रहे थे। जब लड़की ने विरोध के बावजूद रिश्ता खत्म नहीं किया, तो परिवार ने उसकी हत्या कर दी।

मोती नगर में गोदाम के बाहर लावारिस बोरे में मिली लाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर इलाके से शनिवार को एक गोदाम के बाहर बोरे में लाश मिलने से सनसनी फैल गई। लाश की पहचान नहीं हो पाई है। लाश को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। अज्ञात लाश की पहचान करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसके लिये आसपास के थानों को भी सूचना दी गई है।

पुलिस के अनुसार रामा रोड स्थित एक पाउडर गोदाम के बाहर लावारिस बोरे में एक व्यक्ति की सड़ी गली लाश मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही मोती नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। साक्ष्य जुटाने के लिए क्राइम टीम और फोरेंसिक एक्सपर्ट्स को भी बुलाया गया। मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शुरुआती जांच में शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले हैं, जिससे मौत का रहस्य और गहरा गया है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है कि यह बोरा वहां कब और किसने रखा।

गोदाम के गार्ड ने की थी पीसीआर कॉल

पुलिस के अनुसार प्रेम नगर फाटक, रामा रोड के पास स्थित एक फैक्ट्री के गार्ड शंकर ने शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे बाहर एक संदिग्ध प्लास्टिक का बोरा देखा। उसमें से बदबू आ रही थी। पुलिस को गार्ड ने बताया कि वह रात को बहुत ज्यादा मच्छरों के कारण कहीं और सोने चला गया था। जब वह शनिवार सुबह वापस आया तो बोरा दिखा। क्राइम टीम ने बैग खोला, तो उसके अंदर लगभग 40 साल के एक पुरुष की लाश मिली, जो सड़ने की हालत में थी। मृतक ने नीली जींस और पीच रंग की पूरी आस्तीन वाली शर्ट पहनी हुई थी। उसकी हल्की दाढ़ी थी और शरीर पर बाहर से कोई चोट के निशान दिखाई नहीं दे रहे थे।

क्लब के बाहर कहासुनी के बाद चली गोली, एक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार में 'शोशा क्लब' के बाहर शनिवार तड़के झगड़े के बाद 21 वर्षीय व्यक्ति को गोली लग गई। घायल शख्स का नाम समीर (21) बताया गया है। उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना सुबह करीब 4:30 बजे हुई। पुलिस केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस के अनुसार घायल समीर पुत्र मुजम्मिल उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नूर-ए-इलाही, घोंडा इलाके का रहने वाला है। उसकी हालत स्थिर बताई गई है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि कॉल करने वाला नवीन (25) पुत्र सलीम निवासी नूर-ए-इलाही अपने दोस्तों के साथ प्रीत विहार स्थित 'शोशा क्लब' गया था। बाद में उसके दोस्त समीर और अरहम भी क्लब में उनके साथ शामिल हो गए। क्लब के अंदर अरहम और वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति (जो अपने साथियों के साथ था) के बीच कहासुनी हो गई। कहासुनी जल्द ही झगड़े में बदल गई। इसके बाद दोनों पक्ष क्लब परिसर के बाहर सर्विस रोड की ओर चले गए। इस दौरान वहां अपने साथियों के साथ पहले से मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर गोली चलायी। एक गोली समीर के दाहिने पैर में घुटने के नीचे लगी। आरोपी घटना के तुरंत बाद मौके से फरार हो गए। समीर को उसके दोस्तों ने तुरंत अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है और स्थिर बतायी जा रही है। पूछताछ के दौरान समीर ने पुलिस को बताया कि वह गोली चलाने वाले व्यक्ति को नहीं पहचानता। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

ब्रह्मांड और मानवता के बीच का अंतर्संबंध आज भी प्रासंगिक : विजेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष वने एस्ट्रो कल्चरल महोत्सव 2026 को किया संबोधित

ज्ञान की ऐसी प्रणालियां मानव अस्तित्व और ब्रह्मांड के बीच अंतर्संबंध के गहरे विश्वास को दर्शाती हैं, जो प्रतिबिंब और विनम्रता की भावना पैदा करती हैं, जो 21वीं सदी में भी अत्यंत प्रासंगिक है। यह विचार शनिवार को दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 'एस्ट्रो कल्चरल महोत्सव - एस्ट्रो कॉन्क्लेव 2026' में सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित इस कार्यक्रम में विजेंद्र गुप्ता ने आधुनिक जीवन में आत्मचिंतन की गहरी आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जहां संवाद की गति बहुत तीव्र है, वहां धैर्यपूर्ण जांच और पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देने वाले मंच सामाजिक सद्भाव और दिशा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। गुप्ता ने रेखांकित किया कि भारत की सभ्यतागत यात्रा हमेशा तर्क और अंतर्ज्ञान के अनूठे समन्वय से परिभाषित रही है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष, अपने शास्त्रीय अर्थ में, केवल एक अभ्यास नहीं है बल्कि समय को एक सार्थक निरंतरता के रूप में समझने का एक दार्शनिक प्रयास है। गुप्ता ने पारंपरिक ज्ञान को भारत की 'सॉफ्ट पावर' के एक स्तंभ के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि जब दर्शन, कला और प्राचीन विज्ञान सहित भारत की बौद्धिक परंपराओं को प्रामाणिकता और स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो वे अंतर्राष्ट्रीय संवाद के लिए शक्तिशाली सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया आधुनिक प्रगति और प्राचीन ज्ञान के बीच संतुलन खोजने के लिए भारत की जड़ों की ओर देख रही है। गुप्ता ने संस्कृति और जिम्मेदार नेतृत्व के बीच आवश्यक कड़ी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संगीत, विद्वत्ता और कविता जैसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां केवल मनोरंजन के साधन नहीं हैं, बल्कि एक सूचित और सुदृढ़ समाज के निर्माण की नींव हैं। विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार, ये परंपराएं अनुशासन और संवेदनशीलता विकसित करती हैं जो सार्थक सार्वजनिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं। अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आयोजकों की सराहना की, जिन्होंने विद्वानों, कलाकारों और जनप्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का कार्य किया।

'किताब-वर्दी छूट' दिल्ली सरकार की नाकामी की स्वीकारोक्ति, अभिभावक अभी भी बोझ तले दबेः कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली कांग्रेस ने बीजेपी की रेखा सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 को जारी किए गए आदेश को "बहुत देरी से की गई राहत" करार देते हुए तीखा हमला बोला है। सरकार ने निजी, मान्यता प्राप्त स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे अभिभावकों को किसी खास दुकान या विक्रेता से किताबें, नोटबुक, वर्दी, बैग या अन्य सामग्री खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि यह आदेश दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम एवं नियम 1973 तथा दिल्ली आरटीई नियम 2011 के प्रावधानों का मात्र दोहराव है, जिसे बीजेपी सरकार 14 महीने तक लागू नहीं करा सकी।इसी मामले पर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि 1973 का शिक्षा अधिनियम और 2011 के शिक्षा का अधिकार नियम पहले से ही साफ कहते हैं कि स्कूल अभिभावकों पर कोई मोनोपॉली नहीं थोप सकते। फिर फरवरी 2025 में सत्ता संभालने के बाद बीजेपी सरकार पूरे 2025-26 सत्र में अभिभावकों की शिकायतों पर क्यों चुप रही? अभी अप्रैल 2026 को आदेश निकालकर सरकार अपनी नाकामी स्वीकार कर रही है।"आदेश ने फीस वृद्धि पर सबसे तीखा सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा 2025-26 सत्र में कई निजी स्कूलों ने फीस में 20 से 80 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की। बीजेपी सरकार ने दिसंबर 2025 में 'दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण एवं पारदर्शिता) अधिनियम 2025' पास किया, लेकिन फरवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट में खुद बताया कि यह कानून 2025-26 सत्र में लागू नहीं होगा। नतीजा? बढ़ी हुई फीस पर कोई रिव्यू या रिफंड नहीं हुआ। 1973 के अधिनियम की धारा 17 और आरटीई नियम 145 के तहत फीस नियंत्रण सरकार की जिम्मेदारी थी, लेकिन बीजेपी ने इसे टाल दिया। शिक्षा गुणवत्ता पर भी आदेश भारद्वाज ने परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का हवाला देते हुए कहा दिल्ली के कक्षा-3 छात्रों का भाषा में औसत प्रदर्शन 62 प्रतिशत और गणित में 57 प्रतिशत रहा, जबकि राष्ट्रीय औसत क्रमशः 64 प्रतिशत और 60 प्रतिशत है। प्रवक्ता ने पूछा, "बीजेपी 'सीएम श्री स्कूल' और शिक्षा सुधार का ढोल पीट रही है, लेकिन बुनियादी स्तर पर बच्चे राष्ट्रीय औसत से पीछे हैं। क्या किताब-वर्दी की छूट देने से लर्निंग आउटकम सुधर जाएगा?मानवीय पक्ष को छूते हुए आदेश ने कहा, "दिल्ली के लाखों मध्यमवर्गीय अभिभावक चिंता में हैं। महंगाई के दौर में बच्चों की फीस, किताबें और वर्दी के बोझ से परिवारों के बजट बिगड़ रहे हैं। इडब्ल्यूएस बच्चों के 25 प्रतिशत आरक्षण में भी किताब-वर्दी की मुफ्त व्यवस्था में देरी हो रही है।' शिक्षा कोई बिजनेस नहीं, बल्कि बच्चों का मौलिक अधिकार है।

अवैध दवा आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के बाहरी जिले में एक दवा की दुकान के मालिक को गिरफ्तार कर अवैध दवा आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान मोतिया खान निवासी तुषार मल्होत्रा के रूप में हुई है, जिसे दो अप्रैल को पहाड़गंज में छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई कोडीन सिरप और बुप्रेनोर्फिन टैबलेट सहित प्रतिबंधित दवाओं के बरामद होने के मामले में 26 मार्च को निहाल विहार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर की गई। इस सिलसिले में तीन व्यक्तियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ के दौरान, आरोपियों में से एक ने इन दवाओं की आपूर्ति के स्रोत का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस और 'नार्कोटिक्स' विभाग के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने दवा की दुकान पर छापा मारा और कोडीन आधारित कफ सिरप और साइकोट्रॉपिक कैप्सूल जब्त किए। उसने बताया कि मल्होत्रा वैध खरीद रिकॉर्ड पेश नहीं कर सका। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी के कब्जे से कुल 60 बोतल कोडीन आधारित कफ सिरप और 296 ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए जांच जारी है।

शिक्षा के अधिकार में स्कूल चुनने का अधिकार शामिल नहीं है: हाईकोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी बच्चे के शिक्षा के अधिकार में उसके लिए किसी विशेष स्कूल का चयन करने का अधिकार शामिल नहीं है। मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम एक लाभकारी कानून है, जिसे सामाजिक समावेश के उद्देश्यों को प्राप्त करने और यह सुनिश्चित करने के लिए अधिनियमित किया गया है कि स्कूल एक साझा स्थान बनें जो जाति, जातीय समूह या जातिगत रेखाओं की बाधाओं से अलग न हो। अदालत ने 25 मार्च को फैसला सुनाया, "हालांकि, शिक्षा के ऐसे अधिकार को किसी विशेष स्कूल को चुनने के अधिकार में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है।" अदालत का फैसला एक मां की अपील पर आया है, जिसमें उन्होंने अपने बच्चे को शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए एक निजी स्कूल में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत कक्षा दो में प्रवेश दिये जाने का अनुरोध किया था। अपीलकर्ता ने इससे पहले उच्च न्यायालय की एकल-न्यायाधीश पीठ से अपने बच्चे को 2023-2024 शैक्षणिक सत्र के लिए निजी स्कूल की कक्षा एक में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के तहत प्रवेश दिलाने के लिए याचिका दायर की थी। हालांकि, एकल न्यायाधीश ने कहा था कि शैक्षणिक वर्ष के लिए कक्षा एक में खाली रह गई ईडब्ल्यूएस सीटें अगले वर्ष उसी कक्षा के लिए आगे बढ़ा दी जाएंगी और अपीलकर्ता के वार्ड सहित किसी भी ईडब्ल्यूएस उम्मीदवार के लिए उपलब्ध होंगी, यदि वे आवेदन करना चाहें। अपीलकर्ता ने हालांकि खंडपीठ के समक्ष यह तर्क दिया कि उसके बच्चे को शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए विद्यालय में कक्षा दो में दाखिला दिया जाना चाहिए।

एलजी का देश विदेशी राजनयिकों से मिलने का दौर जारी, एयरटेल के मित्तल बंधु भी मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू का पद संभालने के बाद से देश विदेश के राजनयिकों से मिलने का दौर लगातार जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को लोक निवास में मिलने के लिए कई राजनयिक पहुंचे। जबकि देश की जानी मानी दूरसंचार कंपनी भारती इंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील मित्तल व उनके भाई राजन मित्तल भी उपराज्यपाल संधू से मिलने पहुंचे। संधू से मिलने वालों में विदेश मंत्रालय भारत सरकार के आर्थिक संबंधों के सचिव सुधाकर दलेला, पूर्व विदेश सचिव भारत सरकार और अमेरिका में भारत की पूर्व राजदूत रही एन मेनन राव और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की प्रोफेसर उमा कांजीलाल आदि शामिल रहे। मित्तल बंधुओं से मिलने पर लोक निवास सचिवालय ने कहा कि सुनील भारती मित्तल और राजन भारती मित्तल ने लोक निवास में उपराज्यपाल संधू से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान राजधानी दिल्ली में रणनीतिक निवेश आकर्षित करने पर एक सार्थक चर्चा हुई। जिसका मुख्य जोर राष्ट्रीय राजधानी में आर्थिक विकास को और सुदृढ़ करने तथा बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने पर था।

रातभर कहीं हल्की कहीं मध्यम बारिश होती रही, दिनभर रहा सूखा, आज भी बरसने की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को हल्की बारिश का दौर शनिवार सुबह तक भी रह रहकर जारी रहा। रातभर दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की व मध्यम बारिश दर्ज हुई। लेकिन येलो अलर्ट जारी होने के बाद भी शनिवार को दिनभर बारिश का इंतजार होता रहा, किंतु देर शाम तक एक दो जगह हल्की बूंदाबांदी ही देखने को मिली। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से पहले सफदरजंग वेधशाला के अनुसार दिल्ली में औसत 0.5 मिमी बारिश दर्ज हुई। जबकि आया नगर में सबसे ज्यादा 1.8 1.9 मिमी बारिश दर्ज हुई। वहीं पालम में 1.9 मिमी, रिज एरिया में 1.9 मिमी, पूसा में 1 मिमी, मयूर विहार में 0.5 मिमी और लोधी रोड में 0.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 2.0 डिग्री नीचे है। जबकि न्यूनतम तापमान 20.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.9 डिग्री नीचे है। आईएमडी ने अनुमान जताया है कि रविवार को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम को कहीं कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। आईएमडी के अनुसार आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, दोपहर से शाम तक हल्की से मध्यम बारिश होगी। जबकि मंगलवार को दिल्ली में अच्छी बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C/ 84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश पुत्र कमल सिंह निवासी म. नं. 304, गली अखाड़े वाली, सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-110007** ने एफआईआर सं. **125/2020, अंतर्गत धारा 188/34 भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश** मिल नहीं रहा/रही है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं. **125/2020, अंतर्गत धारा 188/34 भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राकेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **06.05.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रीति राजोरिया
एलडी न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-07
केन्द्रीय जिला, कमरा नं. 32
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/4370/N/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सलमान पुत्र अब्दुल हनीफ निवासी बी–344, जी. नंबर 2, जनता कॉलोनी, वेलकम, दिल्ली** ने **FIR No. 240/2021 U/S 336/387/34 IPC, अन्तर्गत थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सलमान** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सलमान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आप को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 240/2021 U/S 336/387/34 IPC, अन्तर्गत थाना वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सलमान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कक्ष संख्या 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4103/NE/2026(Court Matter)

बिना हेल्मेट काम करते दिखे कर्मचारी, हालिया मौत के बावजूद नहीं चेता ठेकेदार

एमसीडी के यूनिपोल टेंडर में सुरक्षा नियमों की अनदेखी, 'मजदूरों की जान जोखिम में'

नियमानुसार ठेका कंपनी पर एक्शन भी ले सकता है प्रशासन

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के विज्ञापन विभाग के अंतर्गत यूनिपोल पर विज्ञापन लगाने के लिए दिए गए टेंडरों में सुरक्षा मानकों की खुली अनदेखी सामने आ रही है। राजधानी में पहले ही ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन हालात सुधरने के बजाय और चिंताजनक होते दिख रहे हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि टेंडर जारी होने के बाद कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित ठेका कंपनी की होती है हालांकि जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है, जहां न तो नियमों का पालन हो रहा है और न ही किसी प्रकार की सख्त निगरानी दिखाई दे रही है। वहीं, निगम के विज्ञापन विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा मानकों में बरती जा रही लापरवाही की यदि कोई शिकायत आती है तो निगम प्रशासन नियमानुसार ठेका कंपनी पर एक्शन भी ले सकता है।

बता दें कि शनिवार को पश्चिमी दिल्ली के पंजाबी बाग इलाके में एक यूनिपोल पर फ्लेक्स लगाते समय दो कर्मचारी बिना हेल्मेट और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों के काम करते हुए देखे गए। ऊंचाई पर इस तरह बिना सुरक्षा के काम करना सीधे तौर पर मजदूरों की जान से खिलवाड़ है।

लापरवाही के चलते हाल ही में हुई मजदूर की मौत

गौरतलब है कि हाल ही में लोक निर्माण विभाग के तहत ठेके पर कार्य कर रहे एक सफाई कर्मचारी की लापरवाही के चलते मौत हो चुकी है। इस घटना के बाद केंद्र और दिल्ली सरकार के सफाई आयोग के सदस्यों ने संबंधित विभागों को पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी जारी है।

जिम्मेदारी डालकर अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता प्रशासन

मजदूर संगठनों का मानना है कि केवल ठेकेदार पर जिम्मेदारी डालकर विभाग अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकता। जरूरत है कि एमसीडी और अन्य संबंधित एजेंसियां नियमित निरीक्षण करें, सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराएं और उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि जनहित में यह जरूरी है कि मजदूरों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही किसी और की जान न ले सके।

खबर संक्षेप

'स्वच्छता अभियान चलाकर हटाया गया 300 मीट्रिक टन कचरा'

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के करोल बाग जोन के अंतर्गत दया बस्ती क्षेत्र में रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े पुराने कचरे को हटाने के लिए देर रात एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। निगम प्रशासन ने बताया कि इस सुव्यवस्थित और समन्वित मध्यरात्रि अभियान के दौरान लगभग 300 मीट्रिक टन कचरा सफलतापूर्वक हटाया गया। यह अभियान करोल बाग जोन के उपायुक्त दिलखुश मीणा के पर्यवेक्षण में चलाया गया, जो स्वयं स्थल पर उपस्थित रहे और कार्य की सुचारु एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित की। दिल्ली नगर निगम ने रेलवे विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया, जिसने इस कार्य के सफल संचालन के लिए पूर्ण सहयोग और आवश्यक लॉजिस्टिक सहायता प्रदान की।

यादव ने बांटे दिल्ली कांग्रेस के जिला रिपोर्टरों को नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को दिल्ली कांग्रेस संदेश पत्र के डिस्ट्रिक्ट (जिला) रिपोर्टरों को नियुक्ति पत्र बांटे। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में यादव ने औपचारिक रूप से नवनियुक्त जिला रिपोर्टरों को नियुक्ति पत्र प्रदान की। इस अवसर पर यादव के अलावा दिल्ली कांग्रेस संदेश के एडिटर अनिरुद्ध शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। नियुक्ति पत्र बांटने के बाद यादव ने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपनी कलम की ताकत से संगठन व जनहित से जुड़े विषयों को आम जनमानस तक सशक्त व रोचक रूप में पहुँचाएँगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाचार पत्र, युटुब चैनल व सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात बेहद आसानी से प्रचार प्रसार कर सकते है। जबकि इन माध्यमों का आजकल लोग गलत तरीके से भी उपयोग कर रहे है।

सही प्रोग्राम एवं प्रोग्राम कोड भरने में न करें गलती : आईपीयू

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के विभिन्न प्रोग्राम में आवेदन के क्रम में कई आवेदक प्रोग्राम एवं प्रोग्राम कोड भरने में गलती कर रहे हैं और यूनिवर्सिटी से रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि उसे ठीक कर दिया जाए। इस तरह की गलती को सुधारा नहीं जा सकता। वैसे आवेदकों को दुबारा सही प्रोग्राम और प्रोग्राम कोड के लिए निर्धारित पंजीकरण शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि यूनिवर्सिटी की सलाह है कि आवेदन जल्दबाजी में न करें और इत्मीनान से सही प्रोग्राम एवं प्रोग्राम कोड के लिए आवेदन करें। यह भी देखने में आया है कि कई आवेदक आवेदन के लिए पंजीकरण तो कर रहे हैं पर 2500 रुपये पंजीकरण शुल्क जमा नहीं कर रहे हैं। बिना पंजीकरण शुल्क वाले आवेदन को निरस्त माना जाएगा। इसके मद्देनजर आवेदन के समय पंजीकरण शुल्क अवश्य जमा करें।

जल मंत्री ने 'मेड इन इंडिया' मशीनों का किया शुभारंभ

नजफगढ़ ड्रेन पर दो अत्याधुनिक ट्रैश स्किमर मशीनें तैनात : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

ड्रेन सफाई को यमुना पुनर्जीवन से सीधे जोड़ते हुए दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने नजफगढ़ ड्रेन- जो यमुना में प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत है, पर दो अत्याधुनिक ड्यूल-पर्पज वीड हार्वेस्टर कम ट्रैश स्किमर मशीनें तैनात की हैं।

इन मशीनों का औपचारिक उद्घाटन एवं फ्लैग-ऑफ लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया। गौरतलब है कि नजफगढ़ ड्रेन लंबे समय से तैरते कचरे, जलकुंभी जैसी आक्रामक वनस्पतियों और बिना उपचारित प्रदूषकों को यमुना में पहुंचाता रहा है। इन मशीनों के जरिए अब समस्या को उसके स्रोत पर ही नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे यमुना में जाने वाले प्रदूषण में कमी आएगी और शहर की ड्रेनेज व्यवस्था भी बेहतर होगी। 112 एचपी इंजन से संचालित और लगभग 14 क्यूबिक मीटर की स्टोरेज क्षमता वाली ये मशीनें घनी जल वनस्पतियों और तैरते कचरे को काटने, इकट्ठा करने और हटाने में सक्षम हैं। मरीन-ग्रेड स्टील से निर्मित ये मशीनें उथले पानी सहित विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से काम कर सकती हैं। इनका एडवांस्ड कन्वेयर सिस्टम लगातार कटाई और अनलोडिंग सुनिश्चित करता है, जिससे काम तेज और बिना रुकावट के हो सके। करीब 2 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से शुरू की गई यह पहल शहरी प्रशासन में आधुनिक और टेक्नोलॉजी-आधारित समाधान अपनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। अधिकारियों के अनुसार, उद्घाटन के तुरंत बाद मशीनें पूरी तरह संचालन के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा नजफगढ़ ड्रेन की सफाई सीधे यमुना की सफाई से जुड़ी है।

अब हम 'स्वच्छ भारत' के विज़न के अनुरूप आधुनिक, मेड-इन-इंडिया मशीनों का उपयोग कर रहे हैं, ताकि जमीन पर वास्तविक और दिखाई देने वाला बदलाव लाया जा सके। ये मशीनें सिर्फ उपकरण नहीं हैं, बल्कि टेक्नोलॉजी-ड्रिवन गवर्नेंस का उदाहरण हैं। मंत्री प्रवेश ने कहा कि कैटमरैन डिजाइन और ड्यूल वीड-कटिंग सिस्टम से लैस ये मशीनें एक साथ कचरा और जलकुंभी हटाने में सक्षम हैं। इससे सफाई लगातार बनी रहेगी, पानी का प्रवाह बेहतर होगा और जलभराव में कमी आएगी। हमारा फोकस साफ है- प्रभावी सिस्टम, तेज़ क्रियान्वयन और जमीन पर दिखने वाले परिणाम। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि नियमित सफाई के अलावा यह पहल मानसून से पहले बाढ़ की तैयारी को भी मजबूत करेगी और यमुना की सफाई के बड़े लक्ष्य में अहम योगदान देगी। यह फ्लैग-ऑफ एक अहम बदलाव का संकेत है- जहां अब रिएक्टिव नहीं बल्कि प्रोएक्टिव, टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस के जरिए साफ ड्रेन्स, साफ यमुना और अधिक सक्षम दिल्ली की दिशा में काम किया जा रहा है।

'हल्की बारिश को देखते हुए खड़ी फसलों में रखें उचित प्रबंधन'

कटी हुई फसलों को बाँधकर तथा ढककर रखे किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बीते दिनों तथा आने वाले दिनों मे हल्की वर्षा को ध्यान में रखते हुए सभी किसानों को सलाह है की किसी प्रकार का छिड़काव ना करें तथा खड़ी फसलों व सब्जियों में उचित प्रबंधन रखे। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान-पूसा के कृषि भौतिकी संभाग में नोड़ल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ ने यह सलाह जारी की है। साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 7 अप्रैल, 2026 तक के लिए कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को ये कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान कटी हुई फसलों को बाँधकर तथा ढककर रखे अन्यथा तेज हवा या आंधी से फसल एक खेत से दूसरे खेत में जा सकती है और वर्षा से खराब हो सकती हैं। नोड़ल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ ने बताया कि अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडारघर की सफाई करें तथा अनाज को सुखा लें। दानों में नमी 12 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। भंडारघर को अच्छे से साफ कर लें। छत या दीवारों पर यदि दरारें है तो इन्हे भरकर ठीक कर लें। बोरियों को 5 प्रतिशत नीम तेल के घोल से उपचारित करें। बोरियों को धूप में सुखाकर रखें। जिससे कीटों के अंडे तथा लार्वा तथा अन्य बीमारियाँ आदि नष्ट हो जावें। किसानो को सलाह है कि कटी हुई फसलों तथा अनाजों को सुरक्षित स्थान पर रखे।

दिल्ली में दिसंबर 2028 तक रियायती दरों पर मिलता रहेगा राशन : दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में 64 लाख से अधिक लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने इस योजना को दिसंबर 2028 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में 14 लाख 28 हजार 475 परिवारों के कुल 64 लाख 93 हजार 601 लाभार्थी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

इनमें से 62 लाख 46 हजार 786 लाभार्थी प्राथमिकता वाले परिवार (पीपीएच) श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, जबकि 2 लाख 46 हजार 815 लाभार्थी 'अंत्योदय अन्न योजना' (एएवाई) के तहत आते हैं, जो सबसे गरीब परिवारों के लिए है। अधिकारियों ने बताया कि कई परिवारों के लिए पीडीएस जीवन रेखा का काम करता है। राशन वितरण के प्रबंधन के लिए दिल्ली को 13 जिलों और 70 सर्कल में बांटा गया है, जो विधानसभा क्षेत्रों के अनुरूप हैं। राशन मायापुरी, ओखला, पूसा, नरेला, घेवरा और शक्ति नगर में स्थित भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के छह गोदामों के माध्यम से वितरित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा संचालित गाजीपुर और सिरसपुर में चीनी के दो गोदाम हैं।

वर्तमान पात्रता के अनुसार, एएवाई कार्डधारकों को प्रति कार्ड हर महीने 28 किलो गेहूं, सात किलो चावल और एक किलो चीनी मिलती है। वहीं, पीपीएच श्रेणी के लाभार्थियों को प्रति यूनिट चार किलो गेहूं और एक किलो चावल दिया जाता है। केंद्र सरकार ने एक जनवरी, 2024 से इस योजना के तहत मुफ्त राशन वितरण की अवधि पांच वर्ष के लिए बढ़ा दी है, जिससे यह दिसंबर 2028 तक उपलब्ध रहेगा।

हमारा कार्यकर्ता राष्ट्र एवं संगठन निर्माण की सोचता है : सचदेवा

नई दिल्ली। भाजपा एक सिद्धांतात्मक पार्टी है और यह नियमित कार्यकर्ता प्रशिक्षण एवं संवाद का परिणाम है कि हमारा कार्यकर्ता राष्ट्र एवं संगठन निर्माण की सोचता है तो वहीं अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता केवल खुद की सोचते हैं और इसीलिए कभी भी अपनी पार्टी छोड़ने को तैयार रहते हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने विश्वास नगर मंडल में रात्रि प्रवास प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत में भारतीय जनता पार्टी एकमात्र राजनीतिक दल है जो कार्यकर्ता निर्माण को पूरी गम्भीरता से लेता है। सचदेवा ने बताया कि भाजपा द्वारा कार्यकर्ता एवं संगठन विकास हेतु आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय महाप्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत इस सप्ताहांत दिल्ली प्रदेश भाजपा ने 61 मंडलों में रात्रि प्रवास प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया। भाजपा के विभिन्न वरिष्ठ नेताओं एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने विभिन्न मंडलों में विभिन्न संगठनात्मक विषय सत्रों को सम्बोधित किया। दिल्ली भाजपा की महामंत्री एवं प्रशिक्षण महाभियान प्रमुख सांसद कमलजीत सहरावत ने बताया कि हमें उम्मीद है कि 11-12 अप्रैल के सप्ताहांत तक हम सभी मंडलों में प्रशिक्षण महाभियान पूरा कर लेंगे।

एक व्यापक ड्रोन नीति की योजना बना रही दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ नई ड्रोन नीति के तहत ड्रोन क्लस्टर, प्रौद्योगिकी आधारित शासन व्यवस्था बनाएगी सरकार

दिल्ली सरकार ड्रोन का सुरक्षित और विनियमित संचालन सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक ड्रोन नीति की योजना बना रही है। इसके साथ ही सरकार प्रभावी शासन व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए एक 'आईटी डैशबोर्ड' और एक डिजिटल निगरानी प्रणाली पर काम कर रही है।

इस बात की जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पंकज सिंह ने शनिवार को दी है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की प्रस्तावित ड्रोन नीति में ड्रोन अनुसंधान 'क्लस्टर' बनाने, उड़ान परीक्षण के लिए समर्पित सुविधाएं स्थापित करने, यातायात प्रबंधन में ड्रोन के इस्तेमाल को सक्षम बनाने और ड्रोन पारिस्थितिकी तंत्र को समर्थन देने के लिए सब्सिडी उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की संभावना है। मंत्री डॉ. पंकज के अनुसार हाल में हुई एक बैठक में नीति की रूपरेखा पर चर्चा की गई जिसमें इस क्षेत्र की एक अग्रणी गैर-सरकारी संस्था 'ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया' (डीएफआई) को शामिल करने की योजना को मंजूरी दी गई। सरकार ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली ड्रोन नीति की व्यवहार्यता की जांच के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी। विभाग के अधिकारियों के अनुसार नीति के प्रमुख उद्देश्यों में दुरुपयोग रोकने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल को विनियमित करना, निगरानी के लिए सरकारी एजेंसियों को ड्रोन इस्तेमाल करने में सक्षम बनाना और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के 'डिजिटल स्काई' मंच के साथ एकीकरण को मजबूत करना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि नीति में रियल एस्टेट परियोजनाओं, दूरसंचार और मीडिया में ड्रोन के क्षेत्रवार इस्तेमाल की भी योजना है।

एनडीएमसी ने लगाया सुविधा शिविर, 40 शिकायतें हुई प्राप्ति

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) ने जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में शनिवार को 'सुविधा शिविर' का सफल आयोजन किया। एनडीएमसी प्रशासन ने जानकारी देते हुए बतया कि इस शिविर में नागरिकों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली, जिसमें कुल 40 शिकायतें दर्ज की गईं, जिन्हें संबंधित विभागों द्वारा तत्काल निस्तारण हेतु लिया गया। शिविर की एक प्रमुख विशेषता नागरिकों और विभागीय अधिकारियों के बीच सीधा संवाद (फेस टू फेस इंटरेक्शन) रहा, जिससे पारदर्शिता, स्पष्टता एवं त्वरित निर्णय लेने की प्रक्रिया को बल मिला। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि नीतिगत स्तर के मामलों में शिकायतकर्ताओं को प्रक्रिया एवं समय-सीमा के बारे में स्पष्ट जानकारी दी गई। एनडीएमसी प्रशासन ने बताया कि प्राप्त शिकायतें मुख्यतः कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्य, कर एवं संपत्ति विभागों से संबंधित थीं। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में नागरिकों ने विभिन्न नागरिक सेवाओं के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रशासन ने बताया कि यह शिविर एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों एवं सेवा उपभोक्ताओं के लिए एकल खिड़की (सिंगल विंडो) के रूप में शिकायत निवारण, जानकारी प्रदान करने तथा सुविधाओं के त्वरित समाधान हेतु आयोजित किया गया।

गांवों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए तेज गति से कराए जा रहे विकास कार्य : इंद्राज

मंत्री रविंद्र इंद्राज ने बवाना के गांवों में विकास कार्यों का किया शुभारंभ, सड़कें और नालें बनाने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (डीवीडीबी) के फंड के अंतर्गत तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के सहयोग से बवाना विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए विकास कार्य तेज गति से कराए जा रहे हैं। यह बात शनिवार को कैबिनेट मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविंद्र इंद्राज सिंह ने गांवों में विकास कार्यों को शुभारंभ के अवसर पर कही।

मंत्री इंद्राज ने कहा कि दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र और संतुलित विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों के अंतर्गत गांव जटखोड़ से पंजाब खोड़ तक काली सड़क का निर्माण, गांव माजरा से जटखोड़ तक काली सड़क का निर्माण, पंजाब खोड़ में फिरनी रोड एवं आरसीसी नाले का निर्माण, बाजीतपुर में फिरनी रोड एवं आरसीसी नाले का विकास, बाजीतपुर से माजरा तक काली सड़क का निर्माण तथा हरवेली गांव में फिरनी रोड का व्यापक विकास कार्य शामिल है। हरवेली गांव का यह कार्य विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पिछले लगभग 30 वर्षों से लंबित था और अब वर्तमान दिल्ली सरकार द्वारा इसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है। मंत्री इंद्राज ने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से केवल सड़क निर्माण ही नहीं, बल्कि गांवों के समग्र और दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव रखी जा रही है। इन परियोजनाओं से गांवों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी, आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित बनेगा तथा आरसीसी नालों के निर्माण से जलभराव और जल निकासी की पुरानी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा।

बिजली कनेक्शन लेना हुआ आसान, साइड विजिट व पूर्व भुगतान की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली में रहने वालों को अब नया बिजली कनेक्शन लेने के लिए न पहले कोई भुगतान करना होगा और न ही कोई अधिकारी साइट विजिट यानी मौका मुआयना करने आएगा। यह राहत दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) के नए आदेश के बाद मिली है। जानकारी अनुसार डीईआरसी ने दिल्ली में बिजली कनेक्शन लेने के नियमों में बदलाव करते हुए मौका मुआयना और एडवांस पेमेंट की बाध्यता को हटा दिया है। जानकारी अनुसार अब घरेलू या व्यावसायिक उपयोग हेतु बिजली कनेक्शन लेने के लिए उपभोक्ताओं को केवल आवश्यक दस्तावेज और शपथ पत्र जमा करना होगा। इन दस्तावेजों के आधार पर ही कनेक्शन दे दिया जाएगा। यानी अब बिजली कंपनी का कोई भी कर्मचारी अथवा अधिकारी मीटर लगने से पहले साइट का निरीक्षण करने नहीं आएगा। इसके अलावा बिजली कनेक्शन के लिए अब डिमांड नोट नहीं भेजा जाएगा, बल्कि मीटर लगने के बाद प्रथम बिल में डिमांड नोट की राशि जोड़कर आएगी। इसके लिए उपभोक्ता को कनेक्शन वाले परिसर की आंतरिक वायरिंग की जांच किसी लाइसेंस प्राप्त ठेकेदार से कराने के बाद स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा।

कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, 22 जगह छापे, एक एफआईआर दर्ज

दिल्ली में एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर: रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानीवासियों को आश्वस्त करते हुए शनिवार को कहा कि दिल्ली में घरेलू और वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर, पर्याप्त और नियंत्रण में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजधानी में एलपीजी या किसी भी अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट में न आएं तथा संयम बनाए रखें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 3 अप्रैल को दिल्ली भर में कुल 1 लाख 11 हजार 504 एलपीजी बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि तीनों ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा मिलकर 1 लाख 26 हजार 379 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई, जो बुकिंग से काफी अधिक है। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट होता है कि लंबित बैकलॉग को तेजी से खत्म किया जा रहा है और आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन निरंतर प्रयासों के चलते वर्तमान में दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की औसत डिलीवरी समय 4.37 दिन हो गया है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर और विश्वसनीय तरीके से उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध हो रहे हैं। मुख्यमंत्री कहा कि दिल्ली सरकार निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने नागरिकों से शांति बनाए रखने, घबराहट से बचने तथा प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की।

जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए सरकार ने एक कंट्रोल रूम (011-23379836 और 8383824659) स्थापित किया है, जो लगातार निगरानी कर रहा है और शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई कर रहा है। विश्वसनीय सूचनाओं के आधार पर कई मामलों को दिल्ली पुलिस कंट्रोल रूम को भेजा गया, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर 22 छापेमारी की। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान रोहिणी जिले के नॉर्थ रोहिणी थाना क्षेत्र में एक एफआईआर दर्ज की गई, जहां अवैध रूप से जमा किए गए 6 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार इस प्रकार की किसी भी अवैध गतिविधि के प्रति पूरी तरह सतर्क है और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सीएम की अपील, गैस एजेंसियों या एलपीजी गोदामों पर न लगाएं भीड़

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि एलपीजी की आपूर्ति बिना किसी बाधा के जारी रहे तथा किसी भी तरह के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को सलाह दी है कि वे गैस एजेंसियों या एलपीजी गोदामों पर भीड़ न लगाएं। एक बार सिलेंडर बुक करने के बाद वह निर्धारित समय के भीतर सीधे उपभोक्ता के घर पहुंचा दिया जाएगा। वितरण केंद्रों पर जाने की कोई आवश्यकता नहीं है और ऐसा करना अनावश्यक असुविधा पैदा कर सकता है।

सरकार की नाक के नीचे हो रही है गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाए है कि भाजपा सरकार की नाक के नीचे एलपीजी सिलेंडर की धड़ल्ले से गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है। जबकि दूसरी तरफ जरूरतमंद व वैध उपभोक्ताओं का गैस रिफिल तक बुक नहीं हो रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस नहीं मिलने से लोगों के घरों में खाना बनाना दुश्वार हो गया है। जबकि

बीजेपी की दिल्ली सरकार हाथ पर हाथ रखकर चुप बैठी है। ऐसे में गरीब लोगों को खाना पकाने के लिए एक किलो गैस के 300-450 रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है। यादव ने कहा कि यह हालात दिल्ली सहित पूरे देश में बने हुए है। भ्रष्ट लोग सिलेंडर की कालाबाजारी करके अवैध रुप से मुनाफा कमाने के लिए मानवता के खिलाफ काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ आदेश पारित कर रही है जबकि पुलिस अब तक सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही करने की बजाय उन्हें पकड़ने के बाद छोड़ रही है। पिछले एक महीने से अधिक समय से सिलेंडर की कालाबाजारी के कारण लोगों की आजीविका तक पर बुरी तरह से प्रभावित हुई है। दिल्ली सरकार, केन्द्र सरकार के सहयोग से एलपीजी आपूर्ति और अन्य ईंधन के विकल्प उपलब्ध कराने की बयानबाजी जमकर कर रही है। लेकिन सिलेंडर की आपूर्ति इनके नियंत्रण से बाहर हो चुका है। उन्होंने कहा कि खाद्य, आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले के अतिरिक्त आयुक्त ने स्वयं एलपीजी सिलेंडर की अवैध कालाबाजारी और जमाखोरी के 27 मामलों को स्वीकारा है। बवाना, डाबड़ी, सीतापुरी, बैगमपुर, रोहिणी एक्स, में गैस की कालाबाजारी एक बड़ा उदाहरण है।

खबर संक्षेप

अवैध हथियार रखने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने एक आरोपी को अवैध देसी कट्टा सहित खेडीपुल एरिया से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हेमंत निवासी बालाजी कॉलोनी गांव करनेरा फरीदाबाद के रूप में हुई है। जिस पर पूर्व में आम्र्स एक्ट व चोरी सहित कुल 7 मामले दर्ज है। जिसकी पूछताछ पर अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले आरोपी को भी अपराध शाखा की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 03 अप्रैल को अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हेमंत को खेडीपुल एरिया से अवैध देसी कट्टा सहित काबू किया है। जिसके विरुद्ध थाना खेडीपुल में शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी हेमंत देसी कट्टा अपने दोस्त अनित निवासी बालाजी कॉलोनी गांव करनेरा से 6000 रुपये में खरीद कर लाया था।

रेहडी वाले से की गई थी लूट, 2 गिरफ्तार

फरीदाबाद। विगत 30 मार्च की सुबह डबुआ मंडी के पास एक रेहडी वाले से लूट करने के एक मामले में क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने 3 अप्रैल को विजय व शिवम निवासी राजीव कालोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सुकपाल निवासी डबुआ कालोनी फरीदाबाद ने थाना डबुआ में दी अपनी शिकायत में बताया कि वह फल की रेहडी लगाता है रोजाना की तरह वह 30 मार्च की सुबह रेहडी लेकर घर से चला था तथा समय करीब 4.50 एएम पर जब वह 4 नंबर गेट के पास पहुंचा तो पीछे से तीन लडके आए जो उसे पकड कर सडक की साइड में ले गये 25000 रुपए निकालकर फरार हो गये। जिस शिकायत पर थाना डबुआ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

बढ़ती निराश्रित के लिए निगम ने बढ़ाया गौशाला का क्षेत्रफल

नगर निगम की गौशाला का 14हजार स्क्वायर मीटर किया जा रहा विस्तार, गोवंशों को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम नंदी पार्क गौशाला का विस्तार कर रहा है। इसका कारण बढ़ती निराश्रित गोवंशों की संख्या है। अब गौशाला का क्षेत्रफल लगभग 14000 स्क्वायर मीटर बढ़ाया जा रहा है ।

जिसमें आसानी से निराश्रित गोवंशों को रखा जा सकेगा। पांच शेड बनाए जाएंगे। जिसमें तीन में नदी और नंदिनी अलग-अलग रखे जाएंगे इसके अलावा एक शेड छोटे बछड़ों और बछिया के लिए रहेगा। एक शेड विशेष रूप से बीमार गोवंश के लिए अलग से बनाया जाएगा, लगभग 6 करोड़ 90 लाख की लागत से 14264 स्क्वायर मीटर में इंटरलॉकिंग का कार्य, बाउंड्री वॉल का कार्य, नाद बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिसकी मॉनिटरिंग वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं । मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी तथा उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज ने बताया कि निराश्रित गोवंशों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गौशाला का क्षेत्रफल बढ़ाने का निर्णय लिया गया । मौके पर 72 मीटर चौड़ा तथा 195 मीटर लंबाई में गौशाला का विस्तार किया जा रहा है। आवश्यकता को देखते हुए गोवंशों को घूमने के लिए ओपन स्पेस भी व्यवस्थित किया जाएगा, लगभग आठ माह के भीतर कार्य पूर्ण होगा तेजी से कार्य चल रहा है ।

फाउंडेशन का कार्य पूरा, बाउंड्री वॉल का कार्य शुरू

फाउंडेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है बाउंड्री वॉल का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, वर्तमान में 1800 से अधिक गोवंश नंदी पार्क गौशाला में है अधिक संख्या को देखते हुए गौशाला का क्षेत्रफल बढ़ाया जा रहा है। नगर आयुक्त ने निर्माण विभाग को तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही गोवंशों के रहन-सहन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक रूप से नाद बनाने का कार्य तेजी से करने के लिए कहा गया। जिसमें छोटे गोवंशों के लिए भी आवश्यक बदलाव करने के निर्देश दिए गए इसके अलावा हरा चारा और भूसा रखने के लिए भी पर्याप्त स्पेस बनाने के निर्देश दिए गए, सड़कों पर निराश्रित गोवंश किसी भी दशा में आवारा घूमते ना दिखाई दे अभियान में तेजी लाने के लिए भी टीम को निर्देश दिए गए।

इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सीवरेज को मजबूती, फरीदाबाद के विकास को मिली नई दिशा

विकसित रैली में मुख्यमंत्री की बड़ी सौगात, 120 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को फरीदाबाद में आयोजित धन्यवाद एवं विकसित फरीदाबाद रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में फरीदाबाद में इन्फ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, उद्योग, स्मार्ट सिटी, मेट्रो विस्तार और डिजिटल सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। इसी कड़ी में आज मुख्यमंत्री ने शहर के समग्र विकास को नई गति देते हुए 120 करोड़ 76 लाख रुपए की लागत से चार महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनमें रेस्ट हाउस के निर्माण पर 50 करोड़ 61 लाख रुपये, डिस्पेंसरी-सह-सीएमओ कार्यालय के निर्माण पर 41 करोड़ 70 लाख रुपए, विभिन्न क्षेत्रों में सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य पर 25 करोड़ रुपये तथा ओल्ड फरीदाबाद में स्कूल भवन निर्माण पर 3 करोड़ 45 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

इसी दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रिमोट के माध्यम से जेसी बोस विश्वविद्यालय में पूर्व में आयोजित मेगा रोजगार मेले में चयनित लगभग 1331 युवाओं को इ.नियुक्ति पत्र जारी किया। स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने की अपील उन्होंने कहा कि सरकार फरीदाबाद को देश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने स्वच्छता शुभंकर और स्वच्छता कॉमिक का अनावरण किया तथा नगर वासियों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। सीएम घोषणाओं और संकल्प पत्र के वादों पर तेजी से काम मुख्यमंत्री ने बताया कि इस क्षेत्र में पिछले साढ़े 11 वर्षों में 44 सीएम घोषणाएं की गईं, जिनमें से 24 पूरी हो चुकी हैं, जबकि शेष पर तेजी से कार्य जारी है।

रिमोट के माध्यम से जेसी बोस विश्वविद्यालय में पूर्व में आयोजित मेगा रोजगार मेले में चयनित लगभग 1331 युवाओं को ई-नियुक्ति पत्र किया जारी

केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने गिनाई विकास उपलब्धियां

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले फरीदाबाद में कोई विशेष विकास कार्य नहीं हुआ था, यह बात सभी ने देखी है, लेकिन पिछले 12 वर्षों में जो अभूतपूर्व विकास हुआ है, उसे आज देश और प्रदेश के लोग स्पष्ट रूप से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं करा पाती थीं, जबकि आज गांवों और शहरों में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हरियाणा में केवल 500 किलोमीटर हाईवे बने थे, जबकि पिछले 12 वर्षों में यह आंकड़ा बढ़कर 5000 किलोमीटर तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे, अस्पताल, कॉलेज और रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण जैसे कार्यों ने फरीदाबाद की तस्वीर बदल दी है।

अफवाहों से बचें, पेट्रोल-डीजल और गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सरकार विकास और जनहित की बात करती है, तो विपक्ष के कुछ नेताओं को यह रास नहीं आता और वे केवल भ्रम फैलाने तथा झूठे वादों की राजनीति करते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा पेट्रोलियम उत्पादों पर एक्साइज ड्यूटी में कमी कर जनता को राहत देने के निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी नेता वैश्विक परिस्थितियों के समय भी सस्ती राजनीति कर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रदेशवासियों के हितों की रक्षा कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा प्रदेश के 4032 पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराकर अनावश्यक खरीदारी से बचने की अपील की।

डॉ. पवन सिन्हा ने कृष्ण भक्तों से कहा पाखंडों से दूर रहे

अप्राप्य की प्राप्ति का मार्ग है श्रीकृष्ण की भक्तिः सुरभि

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

हिंदी भवन में परम पूज्य डॉ. पवन सिन्हा गुरुजी के सान्निध्य में पावन चिन्तन धारा आश्रम, मुरादनगर और लोक कल्याण सेवा संस्थान की ओर से श्रीकृष्ण भक्ति संध्या का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पावन चिंतन धारा आश्रम के संस्थापक परम पूज्य डॉ. पवन सिन्हा गुरुजी ने कृष्ण भक्तों को संबोधित करते हुए पाखंड से दूर रहने को कहा और धर्म का सही स्वरूप समझने को कहा। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए बताया कि जो अपने अंदर के ईश्वर को पूज नहीं सकता, वह बाहर भी ईश्वर को पूज नहीं सकता। खुद परिवर्तित हुए बिना आप दूसरों को परिवर्तित नही कर सकते। इसलिए अपने पंचविकार दूर करें। नर सेवा के बिना नारायण की सेवा नहीं हो सकती। परम पूज्य श्रीगुरु माँ डॉ. कविता अस्थाना ने कहा कि आश्रम का लक्ष्य धर्म और राष्ट्र की स्थापना करना है । व्यासपीठ पर शोभायमान महिमा वाचक सुरभि दीदी ने श्रीकृष्ण जी के जन्म से लेकर मृत्यु तक के सभी सूक्ष्म से सूक्ष्म रहस्यों को उजागर किया।

विधायक शर्मा का जन्मदिवस धूमधाम से मनाया

मरीजों को फल बांटे व भंडारा कर लोगों को भोजन करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ के विधायक एवं हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

इस अवसर पर सेक्टर-8 स्थित उनके कार्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, समर्थक और क्षेत्रवासी पहुंचे तथा उन्हें जेसीबी से फूल बरसाकर जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। विधायक पंडित मूलचंद शर्मा ने अपने जन्मदिन के अवसर पर सेक्टर-3 स्थित राजकीय एफआरयू-2 अस्पताल पहुंचकर मरीजों और अस्पताल के स्टाफ के साथ केक काटकर अपना 62 वां जन्मदिन मनाया। इस दौरान उन्होंने मरीजों का हाल-चाल भी जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और सभी को फल वितरित किए।

चेयरमेन गहलोत ने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की

डीपीजी कॉलेज में एलुमिनाई मीट में यादें, अनुभव और प्रतिभा का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

डीपीजी कॉलेज एलुमिनाई एसोसिएशन द्वारा द्वारा एलुमनाई मीट 'दोस्त 5.0' का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें 300 से अधिक पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने कॉलेज के सुनहरे दिनों की यादों को फिर से जीवंत किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। इन सत्रों में डिग्री, एसटीएम, पॉलीटेक्निक एवं सीपीएसएम के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने करियर, संघर्ष और सफलता की कहानियों के माध्यम से वर्तमान छात्रों को प्रेरित किया। इस अवसर पर चेयरमैन राजेंद्र गहलोत ने पूर्व छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की और उन्हें संस्थान की सबसे बड़ी ताकत बताया। वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी संस्थान की पहचान और गौरव होते हैं। सभी की उपलब्धियां हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह मंच हमें एक-दूसरे से जुड़े रहने और भविष्य में सहयोग की नई संभावनाएं बनाने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि डीपीजी शिक्षा संस्था से शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थी आज देश-विदेश की प्रतिष्ठित संस्थाओं में कार्यरत हैं और संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम में निदेशक अकादमिक प्रहलाद सिंह, प्राचार्य डॉ. एस.एस. बोकेन, तथा रजिस्ट्रार अशोक गोगिया की उपस्थिति रही। डॉ प्रिया शुक्ला (निदेशक -लॉ कॉलेज) डीन अकादमिक डॉ. प्रियंका डॉ. यशपाल यादव (पॉलीटेक्निक), डॉ. संगीता यादव (प्राचार्य-सीपीएसएम) ने और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने अपनी उपस्थिति से छात्रों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम-गीत, नृत्य एवं अन्य प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्साह और रंगों से भर दिया।

होगा सड़क निर्माण, जल आपूर्ति, सीवर व्यवस्था, हरित क्षेत्र विकासः कलाल

नंदग्राम आवासीय योजना में 77 भूखंडों का लॉटरी के माध्यम से आवंटन, जीडीए को होगी 66 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नंदग्राम आवासीय योजना में भूखंडों का लॉटरी आवंटन लॉटरी प्रक्रिया के शनिवार को हो गया। जिससे जीडीए को 66.54 करोड़ रुपए की आय होगी। यह धनराशि विकास पर खर्च की जाएगी और विकास को पंख लगेंगे। ग्राम नूरनगर स्थित नंदग्राम आवासीय योजना के अंतर्गत विकसित भूखण्डों से प्राप्त होने वाली आय का विस्तृत विवरण जारी किया गया है।

इस योजना के अंतर्गत खसरा संख्या 96 एवं 97 में कुल 77 भूखण्ड विकसित किए गए हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 7520.85 वर्ग मीटर निर्धारित किया गया है। प्राधिकरण द्वारा निर्धारित 79हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर के आधार पर इन भूखंडों से कुल 59करोड़,41 लाख 47हजार 150 की आय आंकी गई है। इसके अतिरिक्त, 10प्रतिशत लीज किराया के रूप में 5करोड़ 94लाख 14हजार 715 तथा 2प्रतिशत फ्री-होल्ड शुल्क के रूप में एक करोड़ 18लाख,,82हजार 943 की आय प्राप्त होगी। इस प्रकार, योजना से कुल अनुमानित आय 66करोड़ 54 लाख 44 हजार 808 निर्धारित की गई है। आज योजना के अंतर्गत सभी 77 भूखण्डों का आवंटन पूर्ण पारदर्शिता के साथ लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया, जिससे पात्र आवेदकों को निष्पक्ष एवं समान अवसर प्रदान किया जा सके। प्राधिकरण के सचिव विवेक मिश्रा के अनुसार, नन्दग्राम आवासीय योजना केवल राजस्व सृजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक आधारभूत संरचना के विकास एवं नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के माध्यम से सुव्यवस्थित एवं नियोजित आवासीय कॉलोनियों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बढ़ती जनसंख्या के दबाव को संतुलित करने में सहायता मिलेगी। उनका कहना है कि परियोजना से प्राप्त राजस्व का उपयोग विभिन्न विकासात्मक कार्यों जैसे सड़क निर्माण, जल आपूर्ति, सीवर व्यवस्था, हरित क्षेत्र विकास एवं अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार में किया जाएगा। यह प्रयास प्राधिकरण की दीर्घकालिक विकास योजनाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगा।

नया मल्टीप्लेक्स, दर्शकों को मिलेगा प्रीमियम अनुभवः

फरीदाबाद। सेक्टर-99 स्थित ओकस मेडली में राजहंस सिनेमाज ने अपने नए 3 स्क्रीन अल्ट्रा-प्रीमियम मल्टीप्लेक्स का शुभारंभ किया है। साथ ही कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में अपने विस्तार को और मजबूती दी है।

NOTICE

I, Rohit Singh S/o Hawa Singh R/o 148/18, Basant Vihar, Narwana, Distt. Jind, Haryana declare that I have changed my name from Rohit to Rohit Singh for all purposes and intent in future.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **84 BNSS/82 Cr. P.C.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **बॉबी**, **पुत्रः** पप्पू, **पताः** मकान न. बी–7, गली नं. 7, अम्बिका विहार, शिव विहार, करावल नगर, दिल्ली ने **FIR No. 86/2021, U/s: 379/356/411/34 IPC,** थानाः **करावल नगर दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **बॉबी**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **बॉबी**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 86/2021, U/s: 379/356/411/34 IPC** थानाः करावल नगर दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, **बॉबी**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
इसरा जैदी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04
चतुर्थ तल कमरा न. 64, जिला उत्तर पूर्व,
कडकडडूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4248/NE/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **84 BNSS/82 Cr.PC.** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **ददन सिंह**, **पुत्रः** भिखारी सिंह **पताः** हाउस न. C-324, फेस-1 मेट्रो विहार, होलंबी कला, दिल्ली ने **FIR No.: 236/2017, U/s: 33 DE Act,** थानाः **शाहबाद डेयरी, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **ददन सिंह**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **ददन सिंह**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 236/2017, U/s: 33 DE Act** थानाः **शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त, **ददन सिंह**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सार्थक पंवार
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
कमरा न. 114, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/4232/ON/2026
(Court Matter)

वर्करों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर युवा कांग्रेस ने आवाज बुलंद की

गिग वर्करों को मिले गरिमा, सुरक्षा और सम्मानः निशित कटारिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

देशभर में काम कर रहे गिग वर्करों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर हरियाणा युवा कांग्रेस ने आवाज बुलंद की है। जिसको लेकर युवा कांग्रेस द्वारा गिग वर्कर न्याय अभियान चलाया जा रहा है। हरियाणा युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष निशित कटारिया ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि देश के लाखों गिग कर्मियों की स्थिति आज बेहद चिंताजनक हो गई है और उन्हें उचित अधिकार, सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

निशित कटारिया ने कहा कि आज देश के तमाम गिग कर्मियों की हालत अमानवीय श्रेणी तक पहुंच चुकी है। मुनाफे की अंधी दौड़ में शामिल बड़ी कंपनियां गिग वर्करों का शोषण कर रही हैं और केंद्र सरकार भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने में नाकाम रही है। डिलीवरी और ऐप आधारित सेवाओं से जुड़े लाखों युवक-युवतियां दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन उन्हें न तो पर्याप्त आय मिलती है और न ही सामाजिक सुरक्षा का कोई ठोस प्रावधान है। कटारिया ने बताया कि गिग वर्करों की प्रमुख मांगों में 10 मिनट डिलीवरी के दबाव से पूर्ण राहत, पारदर्शी और उचित पेमेंट प्रक्रिया, सामाजिक सुरक्षा और दुर्घटना बीमा की व्यवस्था, न्यूनतम आय सुनिश्चित करना तथा कंपनियों द्वारा मनमाने तरीके से आईडी ब्लॉक करने की प्रथा को बंद करना शामिल है। इसके अलावा गिग वर्करों को कानूनी दर्जा दिए जाने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई जा रही है, ताकि उन्हें श्रमिकों के समान अधिकार और सुरक्षा मिल सके। हरियाणा युवा कांग्रेस की सह प्रभारी प्रियंका चंदेलिया ने कहा कि व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंट के माध्यम से युवा कांग्रेस गिग वर्करों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का काम करेगी। इस अभियान के तहत विभिन्न शहरों में गिग कर्मियों से संवाद किया जाएगा और उनकी समस्याओं को सरकार और संबंधित कंपनियों तक पहुंचाया जाएगा। युवा कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव ने कहा कि युवा कांग्रेस का उद्देश्य केवल मुद्दा उठाना नहीं बल्कि गिग वर्करों को गरिमा, सुरक्षा और सम्मान दिलाने के लिए ठोस नीति बनाने की दिशा में सरकार पर दबाव बनाना भी है। सरकार और कंपनियां गिग वर्करों की समस्याओं को गंभीरता से लेंगी और उनके हित में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इस अवसर पर हरियाणा की सह प्रभारी प्रियंका चंदेलिया,हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव आदि।

ठगी के मामले में खाता उपलब्ध करवाने वाला धराया

फरीदाबाद। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने 3 अप्रैल को खिचडीपुर दिल्ली से एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिसकी पहचान राज सहानिया निवासी खिचडीपुर कल्याणपुरी दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सेक्टर-2 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसने एक मेट्रोमोनियल ऐप (संगम डॉट कॉम) पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी।

इसी दौरान उसकी एक लड़की से बातचीत शुरू हुई, बाद में फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से भी बातचीत जारी रही। लडक़ी ने खुद को एक गेमिंग कंपनी में कार्यरत बताया। उसके द्वारा परिवार से मिलने की बात कहने पर आरोपी महिला द्वारा बहाना बनाकर टाल दिया गया और बाद में उसे एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से पैसे कमाने का झांसा दिया गया। महिला ने एक लिंक सांझा कर शिकायतकर्ता को कम्पनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। शिकायतकर्ता उनके बताए अनुसार विभिन्न खातों में पैसे ट्रांसफर करता रहा। जब उसने अपने पैसे निकालने चाहे, तो 2 लाख रुपए की मांग की गई जिसका उसने भुगतान कर दिया।

खबर संक्षेप

आक्रामक हाथी झुंड ने रामगढ़ में 3 की ली जान

बोकारो। यहां वन विभाग ने अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र गोमिया , ललपनिया पेटरवार आदि के गांवों में रहने वालों को सतर्क किया है। पांच आक्रामक हाथियों का झुंड बोकारो पार कर चुका है। रामगढ़ जिले में तीन लोगों की जान ले ली है। वन अधिकारी संदीप शिंदे ने बताया कि यह दर्दनाक घटना आज अहले सुबह हुई, जब एक व्यक्ति जंगल में महुआ चुन रहा था और अन्य दो ईंट भट्ठे के पास खुले में सो रहे थे।

पुलिस को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, राइफल छीनी

कटिहार। जिले में पुलिस कस्टडी में युवक की मौत के बाद भीषण बवाल हो गया। फलका थाना क्षेत्र में आक्रोशित ग्रामीणों ने न केवल स्टेट हाइवे-77 को जाम किया, बल्कि उग्र भीड़ ने पुलिस को खदेड़-खदेड़ कर पीटा। इस हिंसक झड़प में कई पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए। उपद्रवियों ने एक सिपाही की सरकारी रायफल भी छीन ली। स्थिति बेकाबू हो गई। भीड़ ने थाने में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की।

लखीमपुर खीरी में 108 सिलिंडर चोरी

लखीमपुर खीरी। जिले के पलिया क्षेत्र में शुक्रवार रात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने करुणा गैस एजेंसी के गोदाम को निशाना बनाया और यहां से 108 एलपीजी सिलिंडर पार कर दिए। गैस एजेंसी संचालक ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। एजेंसी संचालक के मुताबिक चोरी हुए सिलिंडरों में 98 भरे हुए और 10 खाली थे।

सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ और बाबा कालभैरव के किए दर्शन

यूपी में शुरू हुआ स्कूल चलो अभियान,शिक्षामित्रों व अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि का ऐलान भी किया

सीएम योगी शनिवार की सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के दर्शन किए। इसके बाद बाबा कालभैरव के दर्शन किए। इसके बाद सीएम ने काशी से ही पूरे प्रदेश में स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया।

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह बाबा विश्वनाथ व 'काशी कोतवाल' काल भैरव का दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने यहां से निकलकर आसपास के दुकानदारों और बच्चों से संवाद किया और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बात की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर में काशी से स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने पांच निपुण बच्चों को बैग और किताबें देकर सम्मानित किया।इस मौके पर उन्होंने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि का ऐलान किया, जिससे लंबे समय से इंतजार कर रहे इन कर्मियों को बड़ी राहत मिली है।

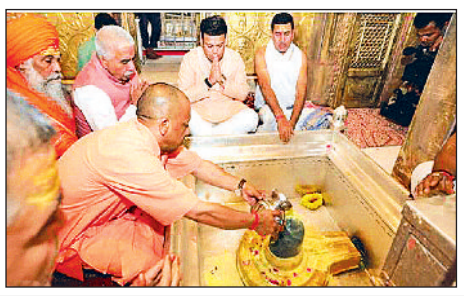

शिक्षा सिर्फ डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं: सीएम योगी

स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा सिर्फ डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, मनुष्य को मनुष्य बनाने का सशक्त माध्यम है। इस माध्यम को सफल बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर है, वे यदि परिश्रम करें अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें तो सफलता निश्चित मिलेगा। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में सभी शिक्षकों ने मेहनत किया और ऑपरेशन कायाकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हर घर से सभी बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने का काम किया।

सीएम ने बच्चों के कंधे पर स्कूल बैग पहनाया और किताबें दी

कंपोजित विद्यालय शिवपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बच्चों संग काफी खुश नजर आए। उन्होंने खुद बच्चों के कंधे पर स्कूल बैग पहनाया और किताबें दी। उनसे हालचाल पूछा। कहा कि 2017 से पहले सरकार के एजेंडे में शिक्षा नहीं थी। गरीब बच्चों के बारे में किसी को कोई चिंता नहीं थी। उनके लोग नकल कराते थे। आज ऐसा नहीं है। आज परिवेश और पद्धति दोनों में बदलाव आया है। अब बच्चों को पारंपरिक के साथ तकनीकी शिक्षा भी दी जा रही है, जिससे उन्हें रोजगार भी मिले। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में

शहरी क्षेत्रों को अत्याधुनिक, डिजिटल और विश्वस्तरीय बनाना लक्ष्य

सीएम का सतत विकास के जरिए बुनियादी नागरिक सेवाओं को सशक्त करने पर जोर

योगी सरकार ने "विकसित यूपी 2047" के तहत राज्य के शहरी क्षेत्रों को आधुनिक बनाने का महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है। इसमें लखनऊ को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' और अन्य 'क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र' विकसित करने की योजना है। '15-मिनट सिटी' अवधारणा के तहत नागरिकों को घर के पास सभी सुविधाएँ मिलेंगी। 100% डिजिटल सेवाएँ, मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट, 'स्पंज सिटी' पहल और 'शून्य-लैंडफिल' शहरों का लक्ष्य भी शामिल है, जिससे जीवन स्तर सुधरेगा और पर्यावरण सुरक्षित रहेगा।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित यूपी 2047' विजन के तहत राज्य के कायाकल्प का एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों को अत्याधुनिक, डिजिटल और विश्वस्तरीय बनाना है।

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत इस ब्लूप्रिंट में न केवल बुनियादी नागरिक सेवाओं को सशक्त करने पर जोर दिया गया है, बल्कि सतत विकास के जरिए आम नागरिकों के जीवन स्तर को वैश्विक मानकों के अनुरूप ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

खास बातें

- यूपी 2047 का मास्टरप्लान
- लखनऊ 'राज्य राजधानी क्षेत्र' और 'क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र' बनेंगे

क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र और एससीआर का विकास

राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए राजधानी लखनऊ को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' (**SCR**) के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही, यूपी की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न हिस्सों में 'क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र' (**Regional Economic Hubs**) बनाए जाएंगे। ये केंद्र निवेश और रोजगार के प्रमुख स्तंभ बनेंगे, जिससे पूरे प्रदेश में संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

पर्यावरण सुरक्षाः 'स्पंज सिटी' और जीरो-लैंडफिल का लक्ष्य, भूजल स्तर भी बढ़ाया जाएगा

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए यूपी के शहरों में 'स्पंज सिटी' पहल को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसके तहत वर्षा जल संचयन और जलाशयों के पुनरुद्धार के जरिए बाढ़ के खतरे को कम किया जाएगा और भूजल स्तर बढ़ाया जाएगा। कचरा प्रबंधन के लिए बड़े पैमाने पर 'वेस्ट-टू-एनर्जी' प्लांट लगाए जाएंगे ताकि शहरों को 'शून्य-लैंडफिल' बनाया जा सके। समावेशी विकास के तहत निम्न आय वर्ग के लिए आवास योजनाओं को भी तेज किया जाएगा।

मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट

शहरी परिवहन को सुगम बनाने के लिए सरकार मेट्रो, रैपिड रेल और इलेक्ट्रिक बसों के जाल के साथ 'मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम' विकसित करेगी। लक्ष्य है कि सार्वजनिक परिवहन की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक ले जाया जाए। सबसे खास ²लिवेबल सिटीज मिशन² है, जिसके तहत '15-मिनट सिटी' की अवधारणा पर काम होगा; यानी स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार जैसी जरूरी सुविधाएं नागरिक के घर से महज 15 मिनट की दूरी पर उपलब्ध होंगी। इससे समय की बचत होगी और प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी।

100% डिजिटल सेवाएं और स्मार्ट गवर्नेंस

नगरीय प्रशासन में पारदर्शिता लाने के लिए सभी स्थानीय निकायों (**ULBs**) की सेवाओं को 100% डिजिटल बनाया जाएगा। शहरों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए 'एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर' (**ICCC**) को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके अलावा, जीआईएस (**GIS**) आधारित संपत्ति मानचित्रण और कर प्रणाली लागू की जाएगी, जिससे कर संग्रह सटीक और पारदर्शी होगा। डेटा आधारित योजनाओं के लिए 'उत्तर प्रदेश शहरी वेधशाला' की स्थापना भी इस रोडमैप का हिस्सा है।

12 अप्रैल को नीतीश का इस्तीफा 14 को नए मुख्यमंत्री की शपथ

एजेंसी ▶▶ पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा चुनाव जीतने के बाद बिहार में नई सरकार के गठन पर अटकलें तेज हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि नीतीश अगले सप्ताह दिल्ली जाएंगे और राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे।

इसके बाद वे पटना लौटकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इसके बाद बिहार में नई सरकार का गठन होगा और राज्य को नया मुख्यमंत्री मिलेगा। 14 अप्रैल तक नए सीएम की शपथ होने की चर्चा भी चल रही है। हालांकि, इस बारे में किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

नीतीश कुमार के 9 अप्रैल को दिल्ली जाने का कार्यक्रम

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार के 9 अप्रैल को दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के रूप में उनका शपथ ग्रहण होने की संभावना है। इसके अगले दिन 11 अप्रैल को वे पटना लौट सकते हैं। फिर 12 अप्रैल को नीतीश मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देकर राज्यपाल को सौंप सकते हैं।

एनडीए की नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू

नीतीश के इस्तीफे के तुरंत बाद बिहार में एनडीए की नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। रिपोर्ट्स में 14 अप्रैल को नए सीएम के शपथ ग्रहण की संभावित तारीख बताई जा रही है। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक रूप से कोई सूचना नहीं दी गई है। बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। वहीं, अभी खरमास चल रहा है, जो 14 अप्रैल तक रहेगा। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, खरमास में कोई शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। चर्चा यह भी है कि नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद पूरे कैबिनेट को नए सिरे से गठित किया जाएगा।

पेज एक का शेष

असम में कभी गोलियों...

सीमित रहती थी, लेकिन अब दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐसी सरकार है जो गरीबों के लिए घर बनाने की चिंता करती है। इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से केवल असम में ही 22 लाख गरीबों के घर बनाए गए हैं। आने वाले समय में 15 लाख और नए पक्के मकान बनाने का संकल्प भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत श्रीभूमि स्थित सोन बील झील में 100 करोड़ रुपये की लागत से मछली पालकों के लिए एक बड़ा कार्य प्रारंभ हुआ है, अरुणोदय योजना के अंतर्गत अब तक 40 लाख लाभार्थियों को 1250 रुपये दिए जाते थे, लेकिन अब सरकार ने यह तय किया है कि इस योजना का कवरेज 15 लाख और बढ़ाया जाएगा और अतिरिक्त परिवारों को 3000 रुपये की राशि भी दी जाएगी, ताकि माता-बहनों और अन्य लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। पहले चरण में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से माता-बहनों को 10 हज़ार रुपये की राशि दी गई थी और अब सरकार ने दूसरे चरण में 25 हज़ार रुपये देने का निर्णय लिया है।

सरकार की काम ...

के बीच अभी तक पेट्रोल, डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। एविएशन टरबाइन फ्यूल की बढ़ी हुई कीमतों का भार फिलहाल तेल कंपनियां ही उठा रही हैं। जिनकी भरपाई बाद में सरकार द्वारा की जाएगी। इन सबके बीच लोगों को जरूरत के मुताबिक सिलेंडरों की खरीद करने, अफवाहों से बचने और ऑनलाइन माध्यम से ही गैस की बुकिंग करने को कहा गया है। युद्ध के लंबे वक्त तक खिंचने की स्थिति में वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल पर भी जोर दिया जा रहा है। जैसे केरोसिन, गोबर के उपले, लकड़ियां और अन्य चीजें मुख्य हैं।

ईरान से तेल लेकर...

कई बार समुद्र में कारोबार और संचालन जैसे कारणों की वजह से भी ऐसा किया जाता है।

एलपीजी का उत्पादन में हुई बढ़ोतरी : इन सबके बीच केंद्र ने एलपीजी के मामले में भी मीडिया में चलाई जा रही प्रसार सामग्री को तथ्यों से परे बताते हुए खारिज किया है। साथ ही कहा है कि ईरान से 44 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की खेप लेकर बीते 2 अप्रैल को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचे सी-बर्ड नामक जहाज से गैस को उचित प्रक्रिया के तहत उतारा जा रहा है। वहीं, देश के अंदर तेल कंपनियों ने भी एलपीजी के उत्पादन में वृद्धि की है। जो अब फिलहाल लगभग 40% पर पहुंच गई है। किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर के पास एलपीजी की कमी होने से भी सरकार ने साफ इंकार किया है। लोगों से भी अपील की गई है कि वो इस संबंध में किसी भी सुनी सुनाई बात पर विश्वास न करें। केवल आधिकारिक माध्यमों से दी जा रही जानकारी पर ही भरोसा करें। भारत के पास 2 महीने के लिए पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है।

शशि थरूर के ...

और मामले में तुरंत एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ कड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, घटना में प्रयुक्त वाहनों की भी जांच की जा रही है। इस बीच, शशि थरूर ने हरिभूमि से बातचीत में बताया कि वे पूरी तरह सुरक्षित हैं और उनका कार्यक्रम पूर्व निर्धारित रूप से जारी रहा। चुनावी माहौल के बीच इस घटना ने राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

पश्चिम बंगाल की...

के डीसी-II (दक्षिण डिवीजन) सिद्धार्थ दत्ता, अलीपुर थाने के ओसी प्रियंकर चक्रवर्ती, अतिरिक्त ओसी चंडी चरण बनर्जी तथा सार्जेंट सौरभ चटर्जी शामिल हैं।

यह कार्रवाई राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा 3 अप्रैल को भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसमें चुनावी तैयारियों के दौरान कानून-व्यवस्था की विफलता की ओर संकेत किया गया था। विदित हो कि एक ज्यूडिशियल कमेटी को बंधक जैसा बना लेने पर सुप्रीम कोर्ट ने दो दिन पहले सख्त रुख दिखाते हुए एनआईए से जांच कराने का आदेश दिया था। जिस पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लेते हुए जांच एनआईए को सौंप दिया था। इधर, आयोग ने विभागीय रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए इन अधिकारियों के निलंबन और विभागीय जांच को मंजूरी दे दी।

आयोग ने अपने निर्देशों में यह भी कहा है कि निलंबन के बाद उत्पन्न रिक्त पदों—डीसी-II (दक्षिण डिवीजन), ओसी अलीपुर और अतिरिक्त ओसी अलीपुर—को भरने के लिए तत्काल प्रस्ताव भेजा जाए, ताकि चुनावी कार्य सुचारु रूप से जारी रह सके।

साथ ही, आयोग ने कोलकाता पुलिस और राज्य प्रशासन को निर्देश दिया है कि इस आदेश का पालन तत्काल किया जाए और 5 अप्रैल को सुबह 11 बजे तक अनुपालन रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए।

चुनाव आयोग की इस सख्त कार्रवाई को चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कुए में जा ...

सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है। इन बच्चों में सात से 14 साल की उम्र की पांच लड़कियां और 11 साल का एक लड़का शामिल है। परिवार वाले एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। जो रात के अंधेरे में अचानक चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट गया और कार सीधे सड़क किनारे बने गहरे कुए में गिर पड़ी। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

22 अप्रैल को ...

रास्तों और मंदिर परिसर से हाल ही में बर्फ हटाई गई थी, वे स्थान एक बार फिर कई फीट बर्फ की तह में दब गए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून समेत टिहरी, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में बिजली चमकने और ओलावृष्टि के अलावा 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफान चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

सीडीएस जनरल चौहान...

जरिए रक्षा मंत्रालय ने दी है। यहां बता दें कि चिनार कोर मुख्य रूप से पाकिस्तान के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सेना की उत्तरी कमांड (15वीं कोर) का एक महत्वपूर्ण अंग है।

सुनियोजित रोडमैप चाहिए : सीडीएस के मुताबिक, उभरती हुई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक सुनियोजित रोडमैप की आवश्यकता है। जो एकीकृत प्रयासों के जरिए तकनीकी अनुकूलन, लचीलापन और सामूहिक तैयारी को बढ़ावा दे सके। संभावित खतरों का मुकाबला करने की तैयारी दूरदर्शिता, नवाचार, एकीकृत युद्ध रणनीति और राष्ट्रव्यापी सामूहिक प्रयासों पर केंद्रित होनी चाहिए। उन्होंने कहा, बदलती हुई सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर परिचालन तत्परता और सुगम्यता का भी खासा महत्व है।

बारामूला में स्थानीय प्रशासन से हुई मुलाकात : जनरल अनिल चौहान ने सेना के सभी रैंक कर्मियों से अपनी परिचालन दक्षता को बनाए रखने के लिए संयुक्तता को जीवन शैली के रूप में अपनाने और भविष्य के सभी संघर्षों में अपना प्रभुत्व स्थापित करने के लिए हरदम तैयार रहने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने बारामूला में स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और पदाधिकारियों से भी बातचीत की। जिसमें उन्होंने राष्ट्र निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जायजा लिया।

मई तक बनेगी पहली थिएटर कमांड : ज्ञात हो कि सीडीएस ने हाल ही में कहा था कि देश की पहली थिएटर कमांड (सेना, वायुसेना, नौसेना की एक कमांड) का गठन इस साल मई महीने तक हो जाएगा। जो सशस्त्र सेनाओं के इतिहास में सबसे बड़े रक्षा सुधारों के रूप में जानी जाएगी। प्रस्तावित मॉडल में नेशनल थिएटर कमांड की योजना है। जो संयुक्त सैन्य अभियानों और विशिष्ट सैन्य कार्रवाई के लिए सेना के तीनों अंगों का समावेश कर गठित की जाएगी। इन सुधारों को लागू करने के लिए सरकार ने सीडीएस का कार्यकाल 30 मई 2026 तक बढ़ा दिया है। पहले उन्हें पिछले साल सितंबर महीने में सेवानिवृत्त होना था।

नाबालिग बच्चों के हिस्से की संपत्ति बेचने की अनुमति से कोर्ट का इन्कार

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

जिला अदालत ने पैतृक संपत्ति में से नाबालिग बच्चों के हिस्से को बेचने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। अदालत ने कहा कि केवल राजस्व अभिलेख (खसरा) में नाम दर्ज होने से स्वामित्व सिद्ध नहीं होता। यह आदेश अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह-अष्टम ने दिया है। करेली निवासी याची सैय्यद मजहर अली रिजवी ने पैतृक संपत्ति में से अपने नाबालिग बच्चों के कथित हिस्से वाले गुरु तेग बहादुर नगर (करेली) स्थित मकान को बेचने की अनुमति मांगी थी।

मोतिहारी शराबकांड में अब तक 7 की मौत, कई बीमार

एजेंसी ▶▶ मोतिहारी

बिहार के पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले में जहरीली शराब से मौत का आंकड़ा बढ़कर 7 हो गया है। एक अन्य व्यक्ति के मौत की खबर मिल रही है। वहीं, एक दर्जन से अधिक लोग विभिन्न अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। शराबबंदी वाले बिहार में मैथनॉल से बनी दारू जहर बनकर परोसी जा रही है। मोतिहारी शराबकांड में हुई फॉरेंसिक जांच में भी पुष्टि हुई है कि शराब के नाम पर केमिकल वाला जहर परोसा था। जिस शराब के सेवन से लोगों की मौत हुई।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की मार्च 2026 की रिपोर्ट

18 लाख खातों में जीरो बैलेंस

पूर्वांचल के 10 जिलों में तीन करोड़ जन-धन खाते, इनमें 56% महिलाओं के

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर समेत पूर्वांचल के 10 जिलों में जन-धन के कुल तीन करोड़ खाते खुले हुए हैं। इनमें कुल 18 हजार करोड़ से अधिक रुपए जमा हैं। इनमें 56 फीसदी महिलाओं के खाते हैं और 18 लाख खातों में जीरो बैलेंस है। प्रधानमंत्री जन धन योजना और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की मार्च 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, इन खातों में करीब 18 लाख खाते ऐसे हैं, जिनका बैलेंस जीरो (शून्य) है।

यानी कुल खातों के 6 प्रतिशत खाते ऐसे हैं, जिसमें लोग पैसे रखना ही नहीं चाह रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन खातों में कुल खातों के लगभग 56% खाते महिलाओं के हैं।

80% बैंक खाते ग्रामीण क्षेत्रों में

वहीं, कुल खातों के 80% खाते ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने खोल रखे हैं। यूपी में कुल खातों की संख्या 10.30 करोड़ को पार कर गई है, जिनमें 63495 करोड़ रुपये जमा हैं। मार्च 2026 के आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में अब केवल 8-10% खाते ही जीरो बैलेंस वाले रह गए हैं।

शून्य बैलेंस वाले खातों को मेंटेन करने में सालाना 3500 से 5000 रुपए खर्च

कचहरी स्थित एसबीआई बैंक के मैनेजर वेद प्रकाश शर्मा बताते हैं कि शून्य बैलेंस वाले खातों को मेंटेन करने में सालाना 3500 से 5000 रुपए खर्च होते हैं। इस आधार पर देखें तो जीरो बैलेंस वाले खातों को मेंटेन करने के लिए 6.3 अरब से 9 अरब रुपये तक खर्च हो रहे हैं। वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर जैसे बड़े शहरों में शून्य बैलेंस वाले खातों की संख्या कम है, जबकि आजमगढ़, मऊ और बलिया जैसे ग्रामीण प्रधान जिलों में इन खातों की संख्या 10-12% तक है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC./84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **रमन**, पुत्रः योगेन्द्र **पताः** म.न. 329, भलस्वा गाँव, दिल्ली, ने **FIR No.: 393/2017, U/s: 336/34 IPC, थानाः जहाँगीर पुरी, दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रमन**, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रमन**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.: 393/2017, U/s: 336/34 IPC थानाः जहाँगीर पुरी, दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त, **रमन**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ज्योति नैन
न्यायिक न्यायाधीश, प्रथम श्रेणी—07
उत्तरी जिला, कमरा न. 6, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/4312/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अजहरुद्दीन, अजहरुद्दीन टूर एंड ट्रैवल प्राइवेट, पताः म. नं. बी—229, गली नं. 03, मंडावली फाजलपुर, सहकारपुर, दिल्ली—110092** ने **CC NI Act 861/2019, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना मोती नगर, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अजहरुद्दीन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अजहरुद्दीन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC NI Act 861/2019, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना मोती नगर, नई दिल्ली** के अभियुक्त **अजहरुद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार – सुश्री पूनम सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)—04
पश्चिम जिला, कमरा नं. 04
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4277/WD/2026

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेषः विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

{ कवर स्टोरी / रेखा देशराज }

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब के पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलनः वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियां ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआतः विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीमः विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपनें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट संभव है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिनः वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं।

इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

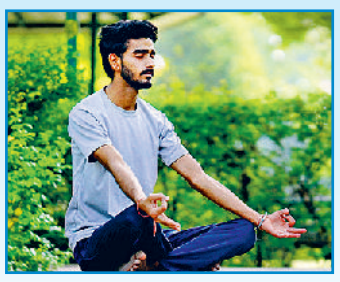

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

{ लाइफस्टाइल / नरेंद्र कुमार }

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

नींद-दिमाग को रिसेट करती हैः नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती हैः पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेटः कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

{ कविता / देवांशु }

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो—
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

{ व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय }

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों को और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

मासूम मन की लघुकथाएं

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), प्रधान संपादकः कांता रॉय, संपादकः मृदुल त्यागी, मूल्यः 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *

कांग्रेस विधायक भारती की सदस्यता समाप्ति पर विशेषज्ञों की राय

विधानसभा सदस्यता समाप्त करने नहीं थी जल्दबाजी की जरूरत

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दिल्ली की अदालत से तीन साल की सजा होने के बाद विधानसभा सचिवालय द्वारा दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता जिस तरह समाप्त की गई, उस तरीके पर सवाल उठ रहे हैं। संविधान के जानकारों का कहना है कि कोर्ट का निर्णय हुआ है तो कार्रवाई भी होगी, लेकिन वह सामान्य गति से होना चाहिए। इसमें न तेजी दिखाई जाना चाहिए और न ही इसे धीमा किया जाना चाहिए। ऐसा होने पर संदेश गलत जाता है। विधानसभा को ऐसा संदेश देने से बचना चाहिए। भारती अब हाईकोर्ट जाएंगे, वहां से राहत न मिली तो आयोग दतिया विधानसभा सीट के लिए उप चुनाव कराएगा।

राजेंद्र भारती

पूर्व अधिकारियों ने कहा- कार्रवाई धीमी हो या तेज, नहीं जाता ठीक संदेश

परिवार का होने के नाते नहीं करना थी जल्दबाजी: इसराणी

मप्र विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव इसराणी का कहना है कि कोर्ट ने विधायक राजेंद्र भारती को दो साल से ज्यादा 3 साल की सजा सुनाई है। इसलिए कानून के अनुसार विधायक की सदस्यता समाप्त होगी, लेकिन कोर्ट ने सजा सुनाने के साथ विधायक को अपील करने के लिए 60 दिन का समय दिया है। विधानसभा सदस्य होने के नाते विधायक विधानसभा परिवार का ही सदस्य है। यदि कोर्ट विधायक को राहत दे रहा है तो विधानसभा को भी परिवार का होने के नाते समय देना चाहिए था। इसराणी ने कहा कि विधानसभा की कार्रवाई गलत नहीं है, लेकिन जिस ताबड़तोड़ तरीके से रात में सचिवालय खोल कर कार्रवाई की गई, वह तकनीकी दृष्टि से ठीक नहीं है। विधानसभा सचिवालय चाहता तो अपील तक इंतजार कर सकता था, वैसे भी हाईकोर्ट जो निर्णय देगा, आगे वही होगा।

भगवानदेव इसराणी

इस तरह की जल्दबाजी से संदेश ठीक नहीं गया: वर्मा

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रमुख सचिव देवेंद्र वर्मा ने भी राजेंद्र भारती की सदस्यता समाप्त करने के लिए की गई जल्दबाजी पर आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि 3 साल की सजा होने पर कानून के अनुसार विधायक की सदस्यता जाना तय है, लेकिन कानून का पालन इस तरह किया जाना चाहिए ताकि संदेश गलत न जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मसले पर न ही जल्दबाजी ठीक है और न ही उसे ठंडे बस्ते में डाल देना। दोनो ही स्थिति में गलत संदेश जाता है। वर्मा ने कहा कि राजेंद्र भारती के मामले में विधानसभा सचिवालय ने जिस तरह किया, उसे देख कर लगता है कि सचिवालय सदस्यता समाप्त करने के इंतजार में ही बैठा था। विधानसभा को सामान्य गति से काम करना था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट तक जा सकती है और अंतिम फैसले पर सदस्यता और उप चुनाव निर्भर होगा।

देवेंद्र वर्मा

कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का मामला पूरी तरह न्यायिक इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं : खंडेलवाल

हेमंत खंडेलवाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती की विधानसभा सदस्यता खत्म होने पर प्रतिक्रिया दी। खंडेलवाल ने कहा कि यह मामला पूरी तरह न्यायालय से संबंधित है और इसमें किसी भी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों में कथित हेरफेर के मामले में न्यायालय ने साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर निर्णय दिया है, जिसका सम्मान करना हर नागरिक और राजनीतिक दल का दायित्व है। भारतीय जनता पार्टी न्यायालय के निर्णय के साथ खड़ी है और उसके प्रत्येक निर्देश का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों में सदस्यता समाप्ति या उपचुनाव जैसे निर्णय लेने का अधिकार संवैधानिक संस्थाओं, विशेष रूप से विधानसभा एवं भारत निर्वाचन आयोग को है। इस मामले को कांग्रेस द्वारा राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि यह पूर्णतः न्यायिक प्रक्रिया है और भाजपा का इससे कोई संबंध नहीं है।

भूमि अधिग्रहण भुगतान में सख्ती, राशि निकालने से पहले वित्त विभाग से लेनी होगी मंजूरी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने भूमि अधिग्रहण से जुड़ी राशि के भुगतान में पारदर्शिता और नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब किसी भी परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण की राशि निकालने से पहले संबंधित विभाग को वित्त विभाग से अनिवार्य रूप से मंजूरी लेनी होगी। सरकार का यह कदम गड़बड़ियों पर लगाम लगाने और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जानकारी के अनुसार, पिछले समय में भूमि अधिग्रहण के मामलों में अनियमितताओं और राशि के दुरुपयोग की शिकायतें सामने आई थीं। कई मामलों में बिना पर्याप्त जांच और स्वीकृति के बड़ी रकम निकाल ली गई, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। इसी को देखते हुए सरकार ने यह सख्त व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। नए प्रावधान के तहत अब भूमि अधिग्रहण से संबंधित राशि तभी जारी की जाएगी, जब वित्त विभाग उसकी स्वीकृति देगा। इसके अलावा, संबंधित विभागों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि राशि का उपयोग केवल निर्धारित उद्देश्य के लिए ही किया जाए। भुगतान की प्रक्रिया पर निगरानी रखी जाएगी और लापरवाही पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मानना है कि इस फैसले से न केवल वित्तीय अनुशासन मजबूत होगा, बल्कि परियोजनाओं में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री मोदी राज्यों में आपसी सहयोग को बढ़ाने का कर रहे महत्वपूर्ण कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य प्रतिभाओं का मंच, युवा पीढ़ी को 'सार्थक' संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन की उत्कृष्ट परंपरा के नायक सम्राट विक्रमादित्य के जीवन से हम सभी परिचित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मस्थली काशी में इस महानाट्य के मंचन के अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन से राष्ट्र को दिए जा रहे योगदान के लिए वे अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। समारोह का शुभारंभ उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बदलते दौर में दो राज्यों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है। दोनों राज्य विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना दोनों राज्यों के लिए महत्वपूर्ण सौगात है, जो सिंचाई, कृषि उत्पादन और पेयजल आपूर्ति में सहायक होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सुशासन काल में सम्राट विक्रमादित्य के शासन की याद आना स्वाभाविक है। विक्रमादित्य के राष्ट्रप्रेम, पराक्रम, न्यायप्रियता और ज्ञान-विज्ञान परंपरा को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में यह महानाट्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महानाट्य का मंचन पहले नई दिल्ली में भी किया जा चुका है। इसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लोग पात्रों की भूमिका निभाते हैं। इससे जहां प्रतिभाओं को मंच मिलता है, वहीं नागरिकों को एक आदर्श शासक के योगदान की जानकारी भी मिलती है। उन्होंने कहा कि भारत में भाइयों की तीन जोड़ियां प्रसिद्ध हैं भगवान राम-लक्ष्मण, भगवान कृष्ण-बलराम और सम्राट विक्रमादित्य-राजा भर्तृहरि।

सीएम डॉ. यादव ने उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ किया शुभारंभ

वाराणसी में मप्र सरकार का तीन दिवसीय आयोजन शुरू

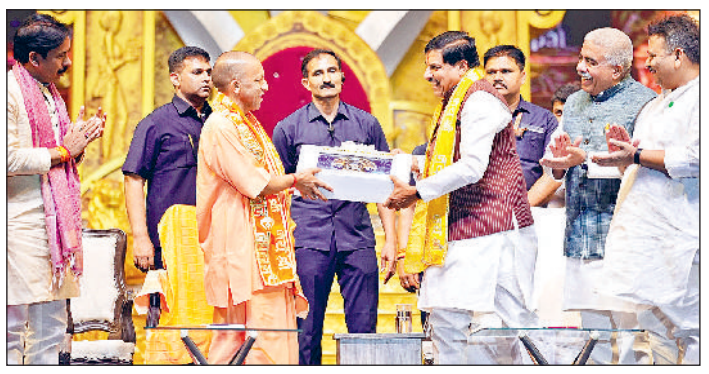

डॉ. यादव ने योगी आदित्यनाथ को वैदिक घड़ी भेंट की

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वैदिक घड़ी भेंट की। यह घड़ी प्राचीन वैदिक परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का उदाहरण है, जो समय की सटीक गणना प्रस्तुत करती है। समारोह में विभिन्न जनप्रतिनिधि, मंत्रीगण, साधु-संत और बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

एक करोड़ एक लाख रुपए का 'सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान'

डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने एक करोड़ एक लाख रुपए का 'सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय सम्मान' प्रारंभ किया है। इसके अलावा 21 लाख रुपए का एक राष्ट्रीय सम्मान और 5-5 लाख रुपए के तीन राज्य स्तरीय सम्मान भी स्थापित किए गए हैं। वर्ष 2024 में आयोजित विक्रमोत्सव को महाद्वीप स्तरीय 'वॉव अवॉर्ड' और 'इंमैक्स ग्लोबल अवार्ड' भी प्राप्त हुए हैं।

मप्र और उप्र के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का यह प्रयास सराहनीय

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस आयोजन को यादगार बताया। उन्होंने कहा कि एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को साकार करते हुए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य और राजा भर्तृहरि की जोड़ी का उल्लेख करते हुए कहा कि भर्तृहरि ने नाथ संप्रदाय में दीक्षा लेकर काशी और चुनार में साधना की थी। सम्राट विक्रमादित्य को नीति और न्याय का प्रतीक बताया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उज्जैन महाकाल की नगरी है और काशी पंचांग की नगरी दोनों मिलकर प्रेम और सहयोग की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

सोशल मीडिया बनी युवाओं की सबसे बड़ी ताकत : डॉ. मोहन

सोशल मीडिया की मप्र टूरिज्म इनफ्लुएंसर मीट का शुभारंभ

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में युवाओं की सबसे बड़ी ताकत बन गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई शिक्षा नीति से सनातन परंपरा के वैचारिक आधार को शिक्षा नीति में समाहित किया है। ऐसा करके युवाओं को सच्चे संस्कार के साथ विकास का अवसर दिया गया है। हमें विकास के साथ-साथ प्राचीन काल के गौरव और परंपराओं पर भी गर्व होना चाहिए।

डॉ. यादव वाराणसी में शुक्रवार को सोशल मीडिया की मध्यप्रदेश टूरिज्म.इनफ्लुएंसर मीट का शुभारंभ कर बोल रहे थे। उन्होंने सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर से संवाद किया और उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश दो भाइयों की जोड़ी है। दोनों मिलकर विकास के नए प्रतिमान बनाएंगे। बाबा विश्वनाथ के धाम में उज्जैन और मप्र के गौरव की झलक मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से हम बाबा विश्वनाथ के धाम में उज्जैन और मध्यप्रदेश के प्राचीन गौरव की झलक दिखा रहे हैं। सम्राट विक्रमादित्य की न्यायप्रियता, वीरता और धर्म परायणता हम सबको प्रेरित और गौरवान्वित करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राचीन गौरव के साथ विकास को नया आयाम दिया है। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण ने धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां दी है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्यों के बीच में सद्भाव और विकास के साथ सहयोग बढ़ा है। डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाला सिंहस्थ महाकुंभ अद्भुत होगा। इसमें श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले सभी नागरिकों,पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या अप्रत्याशित रहेगी। इस दृष्टि से नए कीर्तिमान भी बनेंगे।

बदलती वैश्विक परिस्थितियों पर खुलकर बोले विदेश मंत्री

आईआईएम के 15वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए एस. जयशंकर

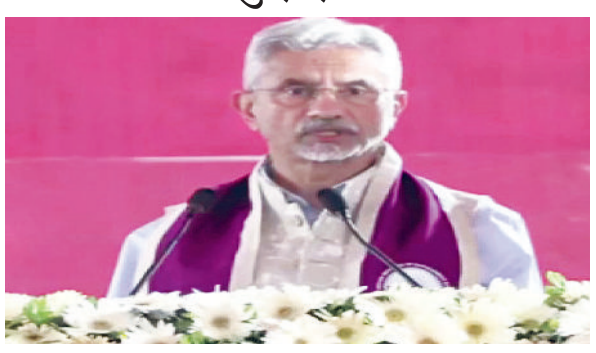

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में देश के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने छात्रों को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आज का दौर तेजी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं।

ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें। भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है। कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में भी भारत स्थिर उन्होंने यह भी कहा कि कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद भारत ने स्थिरता बनाए रखी, जो उसकी नीतियों और क्षमता को दर्शाता है। अपने संबोधन में उन्होंने बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सड़कों, रेल नेटवर्क और बंदरगाहों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल क्रांति ने व्यापार और दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाया है। इससे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले हैं। इसके अलावा, उन्होंने आत्मनिर्भरता को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने की बात कही। उनका मानना था कि इन क्षेत्रों में मजबूती भारत को वैश्विक स्तर पर और सक्षम बनाएगी।

भारत का नाम दुनिया में रोशन करें: विदेश नीति के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। छात्रों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे वैश्विक सोच के साथ अपने कौशल का उपयोग करें और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा करें। अंत में उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए निरंतर मेहनत, नेतृत्व क्षमता और मजबूत संबंध बनाना बेहद जरूरी है।

आरोपी छात्र की चप्पल में मोबाइल फोन चैकिंग के दौरान मिला

एनटीए जेईई मेन के एग्जाम में नकल का प्रकरण प्रकाश में आया, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

सिक्योरिटी गार्ड को चलने की स्टाइल पर हुआ शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

पुरानी भिलाई थाना पुलिस ने एनटीए जेईई मेन के एक्जाम में नकल करने वाले एक परीक्षार्थी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। 2 अप्रैल को पार्थिवी इंजीनियरिंग कॉलेज में परीक्षार्थी से एग्जाम में मोबाइल पकड़े जाने पर शिकायत के आधार पर पुलिस ने परीक्षार्थी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत दर्ज कराई कि पार्थिवी इंजीनियरिंग मैनेजमेंट कॉलेज में 2 अप्रैल को एनटीए जेईई मेन की परीक्षा आयोजित की गई थी।

इस दौरान परीक्षार्थी आदित्य कुमार के पास बायोब्रेक के बाद उसकी चप्पल में मोबाइल फोन अनुचित साधन के रूप मे चेकिंग के दौरान पाया गया। जिसकी लिखित शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई। पुलिस नकल करने वाले परीक्षार्थी आदित्य कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में जुट गई है।

पार्थिवी इंजीनियरिंग मैनेजमेंट कॉलेज में एनटीए जेईई मेन की परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसमें प्रथम पाली में एक परीक्षार्थी आदित्य कुमार के पास परीक्षा के दौरान बायो-ब्रेक के बाद उसकी चप्पल में मोबाइल पाया गया। परीक्षार्थी की जब एंट्री हुई तब सिक्योरिटी गार्ड द्वारा ने उसकी मेटल डिटेक्टर से जांच की। परीक्षार्थी ने अपनी जांच से पहले ही अपनी चप्पल उतार दी थी और फिर उसकी जांच की गई थी। जिसके बाद वहां कॉलेज के लेब 12ए सेकेंड फ्लोर में परीक्षार्थी का एग्जाम देने गया। जहां वॉशरूम के लिए बाहर निकला। वॉशरूम से आने के बाद उसकी फिर से सिक्योरिटी गार्ड द्वारा मेटल डिटेक्टर से जांच की। लेकिन फिर से परीक्षार्थी ने अपनी चप्पल जांच से पहले ही निकाल दी और फिर उसने अपनी जांच कराई। जब वह अपनी वॉशरूम से अपनी लैब की ओर वापस जा रहा था।

सांसद पर अभद्र टिप्पणी करने वाला पकड़ाया

दुर्ग। लोकसभा क्षेत्र से सांसद विजय बघेल के खिलाफ आपत्तिजनक इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करने और अभद्र टिप्पणी करने वाले आरोपी को पाटन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, गौरव वर्मा ग्राम पूंढा निवासी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो अपलोड की। जिसमें उसने सांसद विजय बघेल और रायपुर एम्स की प्रबंधन व्यवस्था को लेकर बेहद आपत्तिजनक और गाली-गलौज वाली भाषा का उपयोग किया था। वीडियो में युवक ने एम्स में ओपीडी और इलाज की सुविधाओं पर सवाल उठाते हुए सांसद के प्रति व्यक्तिगत और अमर्यादित टिप्पणियां की। पुलिस ने आरोपी की पहचान गौरव वर्मा के रूप में की। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

फर्जी आईडी बनाकर महिला की तस्वीर से छेड़छाड़

सोशल मीडिया पर महिला की तस्वीरें वायरल करने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जिला पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसने सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर एक महिला की तस्वीरों से छेड़छाड़ की और उसे सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी दी थी।

इस मामले में उतई पुलिस ने पीड़िता की शिकायत दर्ज कर आरोपी को दबोचा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि इंस्टाग्राम पर एक फर्जी आईडी से उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली थी। इसे स्वीकार करने के बाद आरोपी ने उससे बातचीत शुरू की। जिसके बाद सोशल मीडिया से फोटो लेकर आपत्तिजनक तरीके से एडिट करता था। आरोपी ने बाद में व्हाट्सएप पर पीड़िता से संपर्क किया और उसे अश्लील तस्वीरें भेजकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोपी ने पीड़िता की तस्वीरों को वायरल करने की धमकी दी। आरोपी ने धमकी दी थी कि यदि उसकी मांगें पूरी नहीं की गईं। तो वह तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। पुलिस ने इस मामले में आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, विशेषकर कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और सोशल मीडिया ट्रैकिंग की मदद से आरोपी की पहचान की। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच के बाद आरोपी को बालोद जिले के ग्राम कोहगाटोला से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा- जनता का विश्वास लगातार कमजोर हो रहा

आधी रात को विधानसभा सचिवालय खुलवाकर भारती की सदस्यता समाप्त की, यह सत्ता के दबाव में की गई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा प्रकरण, प्रदेश में गहराते किसान संकट और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश और देश में लोकतंत्र का मूल आधार जनता का विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग और चुनावी प्रक्रिया से जनता का भरोसा उठना लोकतंत्र के लिए बेहद चिंताजनक संकेत है। पटवारी ने आरोप लगाया कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को न्याय के लिए 60 दिनों का समय दिया गया था, इसके बावजूद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा आधी रात को विधानसभा सचिवालय खुलवाकर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई। उन्होंने इसे सत्ता के दबाव में की गई कार्रवाई बताते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया का खुला उल्लंघन करार दिया। उन्होंने कहा कि एक ओर नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज़ का मामला लंबित है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई, जो सरकार के दोहरे मापदंड को उजागर करता है।

किसान कल्याण वर्ष नहीं यह किसान शोषण वर्ष

किसानों की स्थिति पर तीखा प्रहार करते हुए पटवारी ने कहा कि प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष के नाम पर वास्तव में किसान शोषण वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने खाद की कमी को लेकर कहा कि प्रदेशभर में किसानों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, जहां महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की हुई, लाठियां चलीं और कई बुजुर्गों की जान तक चली गई, जबकि सरकार लगातार कमी से इनकार करती रही। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की गई, जो सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

बारदाना संकट और खरीदी व्यवस्था पर सवाल

पटवारी ने कहा कि सरकार युद्ध का हवाला देकर गेहूं खरीदी में देरी कर रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि वर्ष 2026 में 10 करोड़ बारदाने की आवश्यकता थी, लेकिन सरकार ने मात्र 2 करोड़ 60 लाख बारदाने का ही आवेदन किया। लगभग 7.5 करोड़ बारदाने की कमी सरकार की घोर लापरवाही को दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जूट एक्ट के तहत राज्य सरकार को अपनी आवश्यकता के अनुसार केंद्र को समय पर आवेदन और अग्रिम भुगतान करना होता है, लेकिन सरकार दोनों ही मोर्चों पर विफल रही। उन्होंने कहा कि यह कमी किसी युद्ध या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि सरकार की अकर्मण्यता का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी कमी की संभावना हो सकती है तो वह पेट्रोलियम आधारित पीपी बैग में हो सकती है, जबकि जूट आधारित बारदाने की कमी का तर्क पूरी तरह भ्रामक है।

खरीदी में देरी से किसानों को नुकसान

उन्होंने बताया कि खरीदी की तारीखें लगातार आगे बढ़ाई जा रही हैं पहले 16 मार्च, फिर 1 अप्रैल और अब 10 अप्रैल। इस कुप्रबंधन के कारण किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा और बड़ी संख्या में किसान डिफॉल्टर हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने गेहूं खरीदी की तिथि तो बढ़ा दी, लेकिन ऋण अदायगी की अंतिम तिथि नहीं बढ़ाई, जिससे किसान आर्थिक संकट में फंस गए।

देश के एक केंद्र शासित राज्य समेत कुल पांच राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध भी जारी है, जिसके चलते देश में ऊर्जा संकट की संभावना को लेकर विपक्ष भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने में जुटा है। हालांकि इन राज्यों में स्थानीय मुद्दे भी हैं, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर, चुनाव आयोग के मामले भी गर्म हैं। उधर, राजग खासतौर पर प. बंगाल में घुसपैठ और अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर बाजी पलटने के मुड में है। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल की सत्ता में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

क्या राजनीतिक सरप्राइज देंगे चुनावी नतीजे

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की। बिहार पिछले वर्ष का अंतिम चुनाव था, जिसमें भाजपा जद यू और अन्य दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने ऐसी विजय प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा माहौल बनाया था कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग के राष्ट्रीय और राज्यों की राजनीति में प्रभावी रहने के दिन गिने-चुने बचे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे।

विपक्ष के खेमे में घोर हताशा

प्रांतीय चुनावों ने इस सोच को 360 डिग्री मोड़ दिया। विपक्ष के खेमे में घोर हताशा है जबकि भाजपा और राजग के अंदर उत्साह और उम्मीद चरम पर है। इस चुनाव में विपक्ष सफलता प्राप्त करेगा तो देश में मनोवैज्ञानिक रूप से वातावरण बनाने की कोशिश करेगा। क्या भाजपा का प्रदर्शन इन पांचों राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही अपेक्षित है? इसका सीधा उत्तर है, नहीं। तो फिर? इन पांच राज्यों में असम में पिछले 10 वर्षों से उसकी सरकार है और पुडुचेरी जैसे छोटे स्थान में भाजपा सरकार में शामिल है। तमिलनाडु में तो वह एक छोटी पार्टी के रूप में लड़ रही है। केरल में किसी को उम्मीद नहीं है कि भाजपा सत्ता में आ सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जबरदस्त उपस्थिति 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव से दिखाई है और विधानसभा में पिछली बार उसने 77 सीटें जीती। भाजपा के पक्ष और विपक्ष में वातावरण के मूल्यांकन की एकमात्र कसौटी असम में उसका प्रदर्शन होगा। इसके अलावा उसने अगर पिछले चुनाव से बेहतर किया तो फिर इसका निष्कर्ष राष्ट्रीय राजनीति में क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

युद्ध से संकट का असर

इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध चल रहा है। इसका प्रभाव हमारे देश में भी है। यद्यपि पेट्रोल-डीजल, पीएनजी-सीएनजी की अभी तक देश में कमी नहीं है, किंतु विरोधियों ने लगातार ऐसा वातावरण बनाया है, जैसे देश मोदी सरकार की नीतियों के कारण संकट में फंस गया है।

यह सभी राज्यों में विपक्ष की ओर से एक बड़ा मुद्दा बनाया जा चुका है। हालांकि अफवाह नहीं हो तो देशव्यापी ऐसी शिकायत नहीं कि किसी की गाड़ी में पेट्रोल डीजल नहीं मिला या कहीं पीएनजी, सीएनजी की आपूर्ति में कमी है। एलपीजी की समस्या है, लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई जिसमें किसी को अपने घर में खाना बनाने में समस्या हो। अब चूंकि विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बनाया है, वातावरण बना हुआ है तो यह नहीं कह सकते कि चुनाव इससे प्रभावित बिल्कुल नहीं होगा। दूसरे, यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमन के विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने की कोशिश हुई और इसका भी असर है।

चुनाव आयोग व एसआईआर

कोई पार्टी इसके विरोध में नहीं है, कांग्रेस ने इसका समर्थन कर दिया, बावजूद सबकी कोशिश है कि वातावरण बना रहे और हम इसके समर्थन या विरोध में न बोलें ताकि इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को क्षति हो। इसके विरोधी दूसरे राज्यों में जाकर भी भाजपा के विरुद्ध सभाएं कर रहे हैं या यह कह सकते हैं कि विरोधी दलों द्वारा उन्हें प्रायोजित किया गया है। तीसरा मुद्दा चुनाव आयोग और एसआईआर है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस इन दोनों ने इसे चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। हालांकि बिहार में इसका कोई असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल का मामला अलग है। सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय दे चुका है। मालदा में एसआईआर के काम करने वाले न्यायिक अधिकारियों को रातभर बंद करने का संज्ञान लेने के बावजूद वहां तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने चुनाव आयोग और एसआईआर के विरोध में ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें उन्हें अपेक्षित सहयोग और अनुकूल वातावरण नहीं मिला। बंगाल में अगर भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तथा अन्य विपक्षी दल हमलावर होकर बोलेंगे कि चुनाव आयोग और एसआईआर के बावजूद लोगों ने इन्हें निकाल दिया। अब इन्हें इस प्रक्रिया को वापस लेनी चाहिए।

अगर भाजपा ने बढ़िया प्रदर्शन कर दिया तो यही कहा जाएगा कि एसआईआर के कारण मतदाताओं के नाम कटवा कर जीती है और चुनाव आयोग की इसमें भूमिका है। लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव भेजा हुआ है। दोनों परिस्थितियों में विपक्ष चुनाव के बाद एसआईआर और चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाएगा। वैसे अभी तक की गणना में सबसे ज्यादा नाम तमिलनाडु में कटे हैं। वहां भी मुद्दा है पर पश्चिम बंगाल की तरह नहीं। चौथा, इस बार हर राज्य में हिंदुत्व और मुस्लिम कट्टरवाद मुद्दा है।

घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी समारोह के मार्च लगातार रोकने की कोशिश हुई। बंगाल और असम दोनों जगह घुसपैठ को भाजपा ने सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। बंगाल में ही तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख दी । तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के आने से मामला त्रिकोणीय हुआ है। अगर वहां विजयकांत अच्छा करते हैं तो भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में उसका महत्व बढ़ेगा। इस तरह पांच राज्यों में चुनाव राष्ट्रीय राजनीति में मुद्दे, पक्ष-विपक्ष के बीच संबंध, आंशिक रूप से राजनीतिक समीकरण तथा हिंदुत्व सनातन की दृष्टि से स्पष्ट दिशा देने वाला हो सकता है।

केरल चुनाव : स्थानीय मुद्दे बाजी न पलट दें

समीकरण

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

केरल राज्य के 1957 में गठन के बाद से मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही हैं जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नहीं रहा। 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी?

विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशकभर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो उनके खेमें में 140 में से 99 सीटें आई थी, जिसको मजबूत स्थिति माना गया था। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी, जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्य में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है।

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं।

इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। वहीं, इसके इसके विपरीत कांग्रेस सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसके अहम मुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बड़े स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, जिससे युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का राज्य से पलायन लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रूप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंट एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था। वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बर्बादी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वायनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालत में खाली पड़े हैं, चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जिस बारे में कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, इससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं, जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं। इसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें तो केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं। वहीं लड़कों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नहीं है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं। कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं समाया हुआ, जिससे वह स्थानीय जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। चूंकि कई बार बड़े मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपने किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुनः अपने आप को स्थापित करती है।

तमिल चुनाव में देखने को मिलेगा विजय का प्रभाव

त्रिकोणीय

योगेंद्र माथुर

स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के चुनाव के महासमर में सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदाता अपना मत डालेंगे। राज्य में कुल 234 सीटों पर चुनाव होना है और सभी पार्टियां अपनी कमर कस कर मैदान में आ जुटी हैं। तमिलनाडु एक समृद्ध व प्रगतिशील राज्य है और यहां के मतदाता अन्य चार राज्यों की अपेक्षा अधिक शिक्षित व बुद्धजीवी माने जाते हैं। यहां सामान्यतः शांतिपूर्ण चुनाव होते रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति परम्परागत रूप से क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। मुख्यतः यहां द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला होता रहा है। इस बार अभिनेता से राजनेता बने विजय ने चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। राज्य की राजनीति में विजय के तेजी से उभार व उनके नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से यहां का चुनाव अधिक दिलचस्प हो गया है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) राज्य की सभी 234 सीटों पर चुनाव चुनाव मैदान में उतरी है। दूसरी ओर, गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची आने के बाद भी यहां का राजनीतिक परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आने की संभावना है। एसआईआर में तमिलनाडु में सबसे अधिक नाम कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल 6.6 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। पुनरीक्षण में 74 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटने के बाद अब 5.7 करोड़ मतदाता इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं की संख्या के इस बदलाव का प्रभाव राज्य की विधानसभा सीटों के समीकरण पर भी देखने को मिल सकता है। राजनीतिक दलों को समीकरण बदलाव की इन संभावनाओं के दृष्टिगत अपनी रणनीति तय करनी होगी। वर्तमान में राज्य में एमके स्टालिन के नेतृत्व में 8 पार्टियों के द्रमुक गठबंधन की सरकार सत्ता में है। परंपरागत रूप से उसका मुकाबला अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी अन्नाद्रमुक से ही है, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के मैदान में आने से मुकाबला रोचक बन गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन को कुल 159 सीटें मिली थीं और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 75 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा था। इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम को तोड़कर द्रमुक में शामिल करने के बाद एम के स्टालिन का उत्साह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है और वे सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 1971 के बाद से द्रमुक की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं हुई है। मुकाबले में अन्नाद्रमुक अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है। पार्टी प्रमुख जयललिता के निधन के बाद पार्टी में बिखराव व असंतोष की लहर पार्टी के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। पार्टी के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम के द्रमुक में जाने के बाद जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला के अलग पार्टी बना लेने से अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता ई.पलानीस्वामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। इस चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में भाजपा प्रमुख पार्टी है, जो विगत लंबे अरसे से दक्षिण में पैठ बनाने की जद्दोजहद कर रही है, लेकिन उसका अपेक्षित जनाधार बढ़ता दिख नहीं रहा है। 2001 में भाजपा ने करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक के साथ राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ा था और 4 सीटें जीते थीं। विगत 2021 के चुनाव में भी भाजपा 4 सीटों पर ही सीमित रही। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसका अप्रत्यक्ष लाभ जरूर अन्नाद्रमुक गठबंधन को मिल सकता है। ऐसे में विजय की पार्टी के प्रदर्शन पर राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान केंद्रित हो गया है। आरंभिक ओपिनियन पोल के नतीजों को मानें तो टीवीके का प्रभाव राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर युवाओं में भी विजय खासा प्रभाव डालने में सफल होते दिख रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों के एक वर्ग के अनुसार विजय की पार्टी सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कर अन्नाद्रमुक को नुकसान पहुंचाएगी। वहीं, एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि विजय के ईसाई समुदाय का होने से स्टालिन की परेशानियां बढ़ेंगी। बहरहाल चुनाव के नतीजे कुछ भी रहें, सरकार में विजय की पार्टी का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ना तय है।

इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है।

द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में भाजपा की सेंध पर संशय

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में बीजेपी का कद बढ़ा है, लेकिन क्या द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में सेंध लगा पाएगी 'भगवा' ब्रिगेड? सबसे बड़ा सवाल यही है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग छह करोड़ वोटर नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे पांच मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे। पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। अबकि पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है? दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं-डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है। बहरहाल, राज्य में बीजेपी के लिए चुनौती अलग तरह है। यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क है। हालांकि पार्टी धीरे-धीरे अपने आधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है। उनकी 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा ने बीजेपी को गांव-गांव तक पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में सीट नहीं जीत पाने के बावजूद

यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क माना जा रहा है।

बीजेपी का वोट शेयर 11.2 फीसदी तक पहुंच गया, जो पहले 2.6 फीसदी था। अब 2026 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन कर बीजेपी खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और चार पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार पार्टी 27 सीटों पर अपना पूरा दम दिखाने को तैयार है। यहां बीजेपी का प्रदर्शन दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी नई तस्वीर पेश कर सकती है। पिछले दो चुनावों के आंकड़े देखें तो बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए और डीएमके नेतृत्व सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बीच पांच से छह फीसदी वोटों का अंतर रहा। अब एनडीए नए-नए जाति समूहों और संगठनों को पाले में लाकर वोटों के इस अंतर को खत्म करने में जुटा है। राज्य की राजनीति में वन्नियार, थेवर, दलित और ओबीसी समुदायों का बड़ा प्रभाव है। बीजेपी इन समुदायों के बीच पैठ बनाने के लिए सामाजिक अभियानों, स्थानीय नेताओं को आगे लाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर जोर दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एआइएडीएमके से गठबंधन टूट जाने पर अकेले लड़ने वाली बीजेपी 18.28 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही। बीजेपी को 79 लाख से ज्यादा वोट मिले। इससे पूर्व 2021 के विधानसभा चुनाव में कुल 234 सीटों में से सत्ताधारी डीएमके गठबंधन को 159 सीटें तो भाजपा-एआइएडीएमके को 75 सीटें मिलीं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर बीजेपी और एआईएडीएमके का वोट शेयर मिला दें तो 41.33 फीसदी वोट होता है, जबकि सत्ताधारी डीएमके नेतृत्व इंडिया गठबंधन सिर्फ पांच फीसदी अधिक 46.97 फीसदी वोट हासिल कर सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रहा था। रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2024 का लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा होता तो 12 सीटों पर संभावनाएं बन सकती थीं। एआईएडीएमके को 23 फीसदी और बीजेपी को 18 फीसदी वोट मिले थे। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है, जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

तृणमूल संग सीधी स्पर्धा में भाजपा का पलड़ा भारी

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आजकल बड़ा मुद्दा यही है कि क्या ममता का दुर्ग दरक रहा है? राज्य की राजनीतिक स्थिति वर्तमान में एक ऐसे मोड़ पर है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट केवल राजनीति से प्रेरित बयानबाजी नहीं, बल्कि गहरे जमीनी बदलावों का संकेत दे रही है। 2011 में परिवर्तन का नारा देकर वामपंथ के अभेद्य किले को ढहाने वाली ममता आज स्वयं वैसी ही घेराबंदी का सामना कर रही हैं, जैसी उन्होंने कभी बुद्धदेव भट्टाचार्य के विरुद्ध की थी।

यदि 2016 से लेकर 2021 तक के चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करें तो तृणमूल के प्रति मूल बंगालियों में अविश्वास उत्पन्न हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से बंगाल के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। जहां पहले स्पर्द्धा वामपंथ और तृणमूल के बीच थी, वहां अब वामपंथ का स्थान भाजपा ने ले लिया है। आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 44.91 प्रतिशत मतों के साथ 211 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा मात्र 10.16 प्रतिशत वोट और 3 सीटों पर सिमट गई थी। उस समय वाम मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव तक आते-आते स्थिति पूरी तरह बदल गई। तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 215 सीटें हासिल कीं, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत 10 से बढ़कर सीधे 38.13 प्रतिशत पर पहुंच गया और उसकी सीटों की संख्या 3 से बढ़कर 77 हो गई। आश्चर्य ये रहा कि वाम मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन मात्र 10 प्रतिशत मतों और 1 सीट पर सिमट कर रह गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा अब राज्य में कोई अस्थायी लहर नहीं बल्कि एक स्थायी और शक्तिशाली विपक्ष बन चुकी है। बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। राज्य की लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कड़े मतदाता पुनरीक्षण ने तृणमूल की रणनीतियों को प्रभावित किया

बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है।

है। निर्वाचन सूचियों से फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों का हटना ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों जैसे उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद में यदि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम सूचियों से हटते हैं, तो इसका सीधा असर तृणमूल के सुरक्षित वोट बैंक पर पड़ेगा। हाल के वर्षों में भारतीय सेक्युलर फ्रंट के उभार और मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष ने यह संकेत दिया है कि यह वोट बैंक अब विभाजित हो सकता है। यदि मुस्लिम मतों में 5 से 7 प्रतिशत की भी गिरावट आती है, तो दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को सीधा लाभ मिल सकता है। 2021 के चुनावों में ऐसी लगभग 50 सीटें थीं, जहां जीत का अंतर बेहद कम था। वहां मतदाता सूची की शुद्धता भाजपा के पक्ष में फलीभूत हो सकती है। ममता की बौखलाहट के पीछे अनेक कारण हैं। मुख्यमंत्री की हालिया आक्रामक बयानबाजी उनके राजनीतिक आधार के खिसकने की घबराहट को दर्शाती है। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला और संदेश खाली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। साथ ही, आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने ममता के सबसे मजबूत वोट बैंक यानी महिला मतदाताओं के बीच एक अविश्वास पैदा किया है। प्रशासनिक पकड़ का ढीला होना और स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का प्रबल होना तृणमूल के लिए खतरे की घंटी है। आगामी चुनाव में बहुसंख्यक हिंदुओं तथा मूल बंगालियों की पहली पसंद भाजपा ही होगी, इसमें संदेह नहीं है, किंतु सत्तारूढ़ होने की स्थिति में भाजपा को इस सीमावर्ती प्रांत में एक सशक्त, दृढ़निश्चयी तथा कठोर निर्णय लेने वाला नेता बैठाना होगा। बंगाल में भाजपा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन इसके लिए पार्टी को एक सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन एआईएनआरसी के साथ शासन में भागीदार है। शेष तीन राज्यों क्रमशः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में विपक्ष की सरकारें हैं। बंगाल तो भाजपा के लिए अनुकूल प्रतीत होता है, किंतु तमिलनाडु और केरल में स्थितियां अभी भी प्रतिकूल ही हैं।

केरलम में भाजपा और एलडीएफ के बीच सांठगांठ पर बोले राहुल- भारत में नफरत फैलाने वाले लोगों के साथ पार्टनरशिप में हैं मुख्यमंत्री विजयन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केरलम में भाजपा-एलडीएफ के बीच अंदरूनी सांठगांठ पर जोरदार वार करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन उन्हीं लोगों के साथ पार्टनरशिप में हैं जो पूरे भारत में नफरत फैला रहे हैं और एक छिपा हुआ सांप्रदायिक हाथ (भाजपा) उनकी सरकार चला रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अब एलडीएफ (लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट) में वामपंथी नीतियां नहीं रह गई हैं।

केरलम में चुनाव प्रचार के दौरान अलाप्पुझा, इडुक्की, कोच्चि और एर्नाकुलम की विशाल जनसभाओं में राहुल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा-आरएसएस और एलडीएफ, सीपीएम के बीच मिलीभगत है। एलडीएफ के कई कार्यकर्ता इससे ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपने ही कैडर, अपनी पार्टी और केरलम के लोगों को धोखा दिया है। एलडीएफ खुद को लेफ्ट कहता है, लेकिन आज लेफ्ट फ्रंट में कुछ भी लेफ्ट नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव के बाद लेफ्ट फ्रंट में कुछ भी नहीं बचेगा। जनसभाओं में उमड़ी भारी भीड़ के बीच देशभर में अल्पसंख्यकों पर बढ़ रहे हमलों का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में केरलम की दो ननों पर हमला हुआ, मणिपुर में चर्च जलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और केरलम के मुख्यमंत्री अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने वाली ताकतों के साथ सांठगांठ रखते हैं।

उत्साहित भीड़ के साथ सीधा संवाद करते हुए राहुल ने कहा कि कांग्रेस नेताओं पर लगातार हमले करने वाले प्रधानमंत्री केरलम के मुख्यमंत्री पर हमला नहीं करते। केरलम के सबसे पवित्र मंदिर से सोना चोरी होने पर भी प्रधानमंत्री ने एक शब्द नहीं बोला। प्रधानमंत्री भगवान, मंदिर और धर्म को भूल

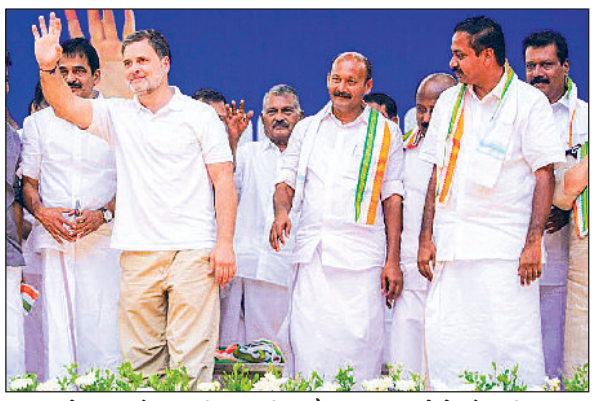

गए, क्योंकि उन्हें एलडीएफ की मदद करनी है। मोदी जानते हैं कि एलडीएफ कभी भी उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर चुनौती नहीं दे सकता, इसलिए यूडीएफ ही उनका निशाना है। प्रधानमंत्री और केरलम के मुख्यमंत्री पर एक साथ निशाना साधते हुए राहुल ने कहा कि दोनों जनता के साथ अपना संबंध खो चुके हैं। लंबे समय तक सत्ता में रहने से नेताओं के मन में गहरा भ्रम पैदा हो जाता है। वे यह मानने लगते हैं कि सत्ता लोगों से नहीं, बल्कि स्वयं उन्हीं से आती है। इससे उनमें अहंकार आ जाता है और धीरे-धीरे नेता व लोगों के बीच का जुड़ाव टूट जाता है। उन्होंने याद दिलाया कि संसद में 5-6 महिला सांसद खड़ी होती हैं तो प्रधानमंत्री को लगता है कि वे उन पर हमला करने वाली हैं, जबकि मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने वालों को बुरी तरह पीटा जाता है। उन्होंने कहा कि असहमति को स्वीकार करने के बजाय ये नेता असहमति की आवाज को ही खतरे के रूप में देखते हैं।

राहुल ने केरलम की बदहाल स्थिति को लेकर भी एलडीएफ सरकार को घेरा। उन्होंने नशाखोरी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि केरलम भारत का ड्रग कैपिटल बना गया है। 75 प्रतिशत धान के किसान कर्ज में डूबे हैं, क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का आधार रहा कॉयर उद्योग तबाह हो गया है, जिससे 1.3 लाख मजदूर बेरोजगार हैं। स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई हुई हैं।

राहुल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते के कारण भारत को होने वाले नुकसान को लेकर भी अपने हमले जारी रखे। उन्होंने कहा कि एपस्टीन फाइल्स और अमेरिका में अडानी समूह पर चल रहे केस से दबाव में आकर मोदी ने भारत का कृषि क्षेत्र अमेरिका के लिए खोल दिया है, साथ ही हमारी ऊर्जा सुरक्षा और डेटा अमेरिका को सौंप दिया है। इससे भारतीय किसान और छोटे व मध्यम उद्योग तबाह हो जाएंगे। अब भारत को इराक, रूस या ईरान से तेल खरीदने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अनुमति लेनी पड़ेगी। राहुल ने कहा कि ट्रंप के पास मोदी की छवि ध्वस्त करने की ताकत है। मोदी और उनके कैबिनेट मंत्री का नाम एपस्टीन फाइलों में है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के हितों के साथ समझौता कर लिया है। राहुल ने जोर देकर कहा कि अगले कुछ महीनों में इसका असर महसूस होगा, जब पेट्रोल और गैस की कीमतें अविश्वसनीय स्तर तक बढ़ जाएंगी।

राहुल ने यूडीएफ गठबंधन की प्रमुख गारंटियां भी गिनाईं। उन्होंने वादा किया कि यूडीएफ की सरकार आने पर समुद्री दीवार बनवाई जाएगी। धान के लिए 35 रु प्रति किलो एमएसपी के साथ नारियल रेशा, काजू और हैंडलूम उद्योग को फिर खड़ा करने के लिए एक विशेष पैकेज दिया जाएगा। जनसभाओं में महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

भाजपा ने तमिलनाडु सरकार के वित्तीय संकट जारी किया श्वेत पत्र

प्रभारी मंत्री गोयल ने स्टालिन से पूछा- राज्य का पैसा कहां गया?

कहा, डीएमके सरकार के शासन में तमिलनाडु दिवालियापन की ओर अग्रसर है, पिछले पांच वर्षों में कर्ज लगभग दोगुना हो गया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और तमिलनाडु भाजपा के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने शनिवार को 'तमिलनाडु सरकार का वित्तीय संकट' शीर्षक से एक श्वेत पत्र जारी किया। उन्होंने डीएमके सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से राज्य के बढ़ते कर्ज और कथित वित्तीय कुप्रबंधन पर सवाल उठाए। गोयल ने पार्टी पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। गोयल ने कहा कि मेरा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से सवाल है कि तमिलनाडु का पैसा कहां गया? यह राज्य उद्योग, मेहनती किसानों, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र, मछुआरों और प्रतिभाशाली एवं लगनशील युवाओं से समृद्ध है - ये सभी संसाधन उत्पन्न करते हैं, तो फिर तमिलनाडु का खजाना खाली क्यों है?

डीएमके सरकार द्वारा जीएसटी की आलोचना पर पलटवार करते हुए गोयल ने कहा कि केंद्र ने तमिलनाडु को जीएसटी मुआवजे के रूप में 80,000 करोड़ रुपए से अधिक दिए हैं, और जीएसटी लागू होने से पहले राज्य का बिक्री कर संग्रह 7 प्रतिशत था, जो इसके लागू होने के बाद दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार अक्सर जीएसटी की आलोचना करती है, लेकिन वे जनता को यह नहीं बताते कि जीएसटी के कारण उनका राजस्व दोगुना हो गया है। पैसा कहां गया? आपने उस पैसे का उपयोग कहां किया? उन्होंने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष और सत्तूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार नैनार नागेंद्रन के साथ मिलकर 'तमिलनाडु सरकार का वित्तीय संकट' शीर्षक से एक श्वेत पत्र जारी किया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, गोयल ने मुख्यमंत्री पर सीधा निशाना साधते हुए पूछा कि राज्य में उद्योग, किसान, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र, मछुआरे और युवा संसाधन प्रचुर मात्रा में होने के बावजूद, राज्य का कोष और धन कहां गया है। तमिलनाडु सरकार द्वारा लिया गया कर्ज ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर है। मुख्यमंत्री के पास कोई जवाब नहीं है। वे झूठे बयानों से ध्यान भटका रहे हैं और मूल मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गोयल ने कहा कि डीएमके सरकार के शासन में तमिलनाडु दिवालियापन की ओर अग्रसर है, पिछले पांच वर्षों में कर्ज लगभग दोगुना हो गया है।

सत्ता में आए जो जेल में बंद भाजपा कार्यकर्ताओं को 5,000 रुपए 'फाइटर अलाउंस' देंगे: सुवेंदु

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा नेता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि अगर राज्य में हमारी सरकार बनती है तो पहली कैबिनेट बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज फर्जी मामलों को वापस लिया जाएगा। जो कार्यकर्ता जेल गए हैं, उन्हें भाजपा सरकार 'फाइटर अलाउंस' के रूप में 5,000 रुपए देगी। खड़गपुर में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अधिकारी के समर्थन में रोड शो किया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को दावा किया कि चुनाव के दिन जनता का 'तूफान और सुनामी' तृणमूल कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटा देगा। अधिकारी ने कहा, जनता उन्हें (टीएमसी) जड़ से उखाड़कर फेंक देगी। जैसे ही हमारी सरकार बनेगी, हम पहली कैबिनेट बैठक में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर दर्ज सभी फर्जी केस वापस ले लेंगे। अधिकारी इस बार भाजपा के टिकट पर भबानीपुर और नंदीग्राम दोनों सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं।

अभिषेक ने भाजपा के डबल इंजन पर कसा तंज

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को भाजपा के डबल इंजन विचारधारा की आलोचना की। उन्होंने भाजपा पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। टीएमसी महासचिव ने एक्स पर एक पोस्ट में, भाजपा पर तंज कसते हुए लोकप्रिय शासन ढांचे के लगातार जिक्र का मजाक उड़ाया और कहा कि क्या आप जानते हैं कि भाजपा का असली डबल इंजन क्या है?

खबर संक्षेप

पारसी समुदाय की शिविर में उमड़ी भीड़

मुंबई। यहां अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय और बॉम्बे पारसी पंचायत के सहयोग से सार्वभौमिक पारसी पंजीकरण अभियान के विशेष सुविधा शिविर में लोगों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। शिविर के दौरान 'जियो पारसी' पोर्टल पर करीब 300 नए पंजीकरण पूरे किए गए, जो पारसी समुदाय तक पहुंच बढ़ाएगा।

जज के घर से गहने चुराने का आरोप, जमानत रद्द

चंडीगढ़। पंजाब के पटियाला जिले की एक कोर्ट ने सिविल जज बिक्रमदीप सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। बिक्रमदीप पर चोरी और घर में जबरन घुसने का आरोप है। बिक्रमदीप और अन्य लोगों ने कथित तौर पर पिछले साल अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के आवास से सोना और आभूषण चुराए थे। जब घटना वाली रात उनका निधन हो गया था।

आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा

वैश्विक परिस्थितियों में युवाओं की भूमिका अहम ग्लोबल सोच रखें और देश को आत्मनिर्भर बनाएं

छात्रों से कहा- पढ़ाई तक ही सीमित न रहें, सियासी और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में देश के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि ये तेजी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं। ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें। भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है।

यहां के छात्रों को किया आगाह

15वें दीक्षांत समारोह में यह बात कही

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला

उन्होंने बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सड़कों, रेल नेटवर्क और बंदरगाहों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल क्रांति ने व्यापार और जीवन को सुगम बनाया है। इससे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले हैं। उन्होंने आत्मनिर्भरता को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने की बात कही।

कौशल का उपयोग करें और देश का नाम दुनिया में ऊंचा करें

उन्होंने कहा कि यह केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। छात्रों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे वैश्विक सोच के साथ अपने कौशल का उपयोग करें और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा करें। अंत में उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए निरंतर मेहनत, नेतृत्व क्षमता और मजबूत संबंध बनाना बेहद जरूरी है।

भारतीयों की सुरक्षा और ब्रांड इंडिया को प्राथमिकता दें

जयशंकर ने बताया कि विदेश में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुश्किल परिस्थितियों में उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, विदेश नीति भारत की सांस्कृतिक विरासत और आर्थिक क्षमता को विश्व के सामने प्रस्तुत करती है। यह 'ब्रांड इंडिया' को एक विश्वसनीय और मजबूत पहचान दिलाती है। यह भारत के हितों की रक्षा करती है।

हमारा समाज महत्वपूर्ण आशावादी, कुछ लोग इसे भी नहीं मान रहे

कुछ समाज इन बदलावों को स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमताओं, कनेक्टिविटी और संसाधनों में नए विकास ने एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल में जोखिम लेने को बढ़ावा दिया है। जयशंकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि आजकल लगभग हर चीज को लीवरेज किया जा रहा है, अगर नहीं तो हथियार बनाया जा रहा है। दुनिया अब खुद को शत्रुतापूर्ण और अनिश्चित वातावरण में सुरक्षित रखने की चुनौती का सामना कर रही है। जयशंकर ने भारत के सकारात्मक नजरिए पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे समाज में एक आशावाद है जो दुनिया के कई अन्य हिस्सों में नहीं दिखता। पिछले 10 साल काफी बेहतर रहे हैं, जिसने यह विश्वास पैदा किया है कि अगले 10 साल और उसके बाद के साल भी अच्छे होंगे।

प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र ने कहा

अब मैसूरू में बनेगा आधुनिक छात्रावास, मिलेट्स को बढ़ाएं

एजेंसी ▶▶ मैसूरू

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर में प्रशिक्षुओं के लिए 30 एकल अधिभोग वाले हॉस्टल का शिलान्यास किया।

सिंह ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय तकनीक से विकसित बाजरा आधारित व्यंजन अब मैकडॉनल्ड्स जैसी अंतरराष्ट्रीय फूड चेन में भी परोसे जा रहे हैं। यह पहल भारत के बाजरा अभियान को नई गति देगी, जिसमें तकनीक और जमीनी स्तर पर क्षमता निर्माण दोनों को समान रूप से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर के पारंपरिक पनीर उत्पाद 'कैलारी' से भी इसी तरह के टिकाऊ खाद्य उत्पाद विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

आरकेवीवाई के तहत तैयार होगा आधुनिक परिसर

यह परियोजना राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विकसित की जा रही है। एमजीहल्ली परिसर में बन रहा यह कॉम्प्लेक्स लगभग 50 प्रतिभागियों को ठहराने की क्षमता रखेगा और इसमें रसोई व डाइनिंग जैसी सुविधाएं भी शामिल होंगी। इसके एक वर्ष के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। इस केंद्र में जम्मू-कश्मीर के पारंपरिक 'कलारी' चीज से टिकाऊ खाद्य उत्पाद विकसित करने पर भी काम किया जा रहा है, जिससे वैल्यू-एडेड फूड इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा।

उन्नत प्रोसेसिंग क्षमता से केंद्र लैस

मिलेट्स सेंटर में सात इंटीग्रेटेड प्रोसेसिंग लाइनें स्थापित हैं, जो सफाई, डीहुलिंग, पॉलिशिंग और सॉर्टिंग जैसी प्रक्रियाओं के साथ आटा, सूजी, फ्लेक्स, बेक्ड और एक्सट्रूडेड उत्पादों के निर्माण को सक्षम बनाती हैं। इसकी प्रोसेसिंग क्षमता 1,000 किलोग्राम प्रति घंटा तक है और यह मिलेट आटे की शेल्फ लाइफ को एक महीने से बढ़ाकर लगभग 10 महीने तक करने में सक्षम है।

9 प्रकार के मिलेट्स पर काम होगा

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, 20 करोड़ रुपए की इस सुविधा में नौ प्रकार के मिलेट्स को प्रोसेस करने की क्षमता है। यह केंद्र स्वच्छ, स्वचालित वातावरण में बड़े पैमाने पर उत्पादन और पोषक तत्वों को बेहतर बनाए रखने में मदद करेगा।

घरौंडा मंडी में सैलजा का सरकार पर निशाना, किसानों-आढ़तियों की समस्याओं को लेकर उठाए सवाल

कहा, पोर्टल का खुलना अच्छी बात है, लेकिन उसका सही ढंग से काम करना अधिक जरूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा शनिवार को करनाल जिले की घरौंडा अनाज मंडी के दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने फसल खरीद का जायजा लिया और किसानों, आढ़तियों और व्यापारियों से बातचीत की। सैलजा ने आरोप लगाया कि सरकार जान-बूझकर छोटे व्यापारियों और आढ़तियों को कमजोर करने में लगी हुई है तथा किसानों पर तरह-तरह के नियम लागू कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। एक ओर किसान प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है, वहीं सरकारी नीतियां उसकी समस्याओं को और बढ़ा रही हैं। उन्होंने मंडियों में पोर्टल व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा,पोर्टल का खुलना अच्छी बात है, लेकिन उसका सही ढंग से काम करना अधिक जरूरी है। जब तक सरकार जमीनी स्तर पर किसानों, मजदूरों और आढ़तियों की समस्याओं को नहीं समझेगी, तब तक स्थिति में सुधार संभव नहीं है।

सैलजा ने कहा कि हर सीजन में किसानों को किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ता है। फसल तैयार होने के बाद किसान खरीद का इंतजार करता है, लेकिन बारिश या ओलावृष्टि से फसल खराब हो जाती है। मुआवजे के लिए उसे सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। जब किसान अपनी फसल मंडी में लेकर आता है और बारिश हो जाती है, तो उसकी फसल खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। लंबी कतारों में खड़े किसानों की फसल समय पर नहीं बिक पाती, जिससे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इससे पूर्व सैलजा ने सिरसा और फतेहाबाद जिलों का दौरा कर वहां भी किसानों और व्यापारियों से मुलाकात की थी और उनकी समस्याओं को सुना था।

चड्ढा की आप नेताओं के आरोपों पर दो टूक, लाइव बोले

मैं घायल हूं तो घातक हूं, हर झूठ को बेनकाब करूंगा

मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक वीडियो जारी कर अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर सफाई दी है। फेसबुक पर लाइव आकर चड्ढा ने एक-एक करके सभी आरोपों का जवाब दिया है और दो टूक कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद और चुनिंदा हैं। इनका मकसद संसद में उनकी आवाज को दबाना है। चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है।

100 बार झूठ बोलने से सच नहीं बदलता

फुटेज देख लीजिए, सब साफ हो जाएगा

चड्ढा ने कहा कि आपकी तरफ से 3 बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप है कि जब विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है तो चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। ये सरासर झूठ है। एक दिन ऐसा बताया जाए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरे हैं, आप उसकी फुटेज निकालकर दिखा दीजिए। सब साफ हो जाएगा।

ईसीआई मामले में सारा दोष मुझ पर ही क्यों?

राघव ने कहा कि उन पर दूसरा आरोप लगाया गया कि मैंने चीफ इलेक्शन कमिश्नर को हटाने वाली याचिका पर साइन नहीं किए। ये आरोप सरासर गलत है। उन्हें आप के किसी नेता ने इस याचिका पर साइन करने के लिए नहीं कहा। राज्यसभा में पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से 6-7 सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किया।

ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए हर मुद्दे उठाए

चड्ढा ने कहा कि तीसरा आरोप जो उन पर लगाया गया वो ये था कि वो डर गए हैं और इसलिए वो बेकार मुद्दे उठाते हैं। मैं संसद में चीखने चिल्लाने, गाली देने या माइक तोड़ने नहीं गया। मैं वहां जनता के मुद्दे उठाने गया हूं। मैंने कौन से मुद्दा नहीं उठाए। जीएसटी से लेकर पानी तक, पंजाब के पानी से लेकर दिल्ली की हवा की बात की। बेरोजगारी से लेकर महंगाई तक के मुद्दे उठाए। मेरा ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में इंपेक्ट क्रिएट करने गया हूं।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया
●
युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया
●
युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी सिक बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम
●
शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया
●
मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें
●
सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार
कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम
पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

फिटनेस का फितूर, खिलाड़ियों की सेहत बिगाड़ रहे सप्लीमेंट

नकली प्रोडक्ट व स्टेरॉयड से लिवर, किडनी हो रहे खराब

तेज रिजल्ट पाने की होड़ में कर रहे शरीर खराब

एथलीट्स को करियर से लेकर जान जाने तक का खतरा

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

आज के दौर में खिलाड़ियों और युवाओं में फिटनेस और बॉडी बिल्डिंग का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। जिम और खेल के मैदान में पसीना बहाने के साथ अब सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल भी आम हो गया है। तेज रिजल्ट पाने की होड़ में एथलीट्स और युवा बिना पूरी जानकारी और डॉक्टरी सलाह के सप्लीमेंट लेने लगे हैं। जो उनकी सेहत पर भारी पड़ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अनियंत्रित और गलत सप्लीमेंट्स का सेवन न सिर्फ प्रदर्शन को प्रभावित करता है, बल्कि लिवर और किडनी जैसे अहम अंगों को स्थायी नुकसान भी पहुंचा सकता है। हार्मोनल सिस्टम पर भी इनका सीधा असर पड़ रहा है। इसके कारण खिलाड़ियों पर करियर से लेकर जान जाने तक का खतरा बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि नकली प्रोडक्ट और स्टेरॉयड खिलाड़ियों के लिए कितने खतरनाक हैं।

संडे स्पेशल

डोपिंग समेत ये खतरे

- कई सप्लीमेंट में छिपे होते हैं प्रतिबंधित तत्व
- पहली दो उंगलियों का उपयोग करें।
- खिलाड़ियों पर लग सकता है बैन
- फैट बर्नर और हर्बल प्रोडक्ट से बढ़ता लिवर रिस्क
- लंबे समय तक हाई डोज से किडनी प्रभावित
- संतुलन ही फिटनेस की कुंजी

यह भी रखें ध्यान

- असली और प्रमाणित प्रोटीन सुरक्षित
- वह किडनी या लीवर को नुकसान नहीं पहुंचाता
- स्टेरॉयड और मिलावटी प्रोडक्ट सबसे बड़ा खतरा
- जल्दी रिजल्ट की चाह बनती है नुकसान की वजह

ऐसे करें पहचान

- हमेशा एफएसएसएआई प्रमाणित प्रोडक्ट लें
- खरीदते समय जीएसटी बिल जरूर लें
- बिना बिल मतलब नकली का खतरा
- रिकवरी और नींद जरूरी
- जिंक, मैग्नीशियम, विटामिन कॉम्बिनेशन फायदेमंद
- वर्कआउट के तनाव के कारण नींद आने में समस्या हो, तो रात को सोने से पहले मैग्नीशियम की टैबलेट लेने से नींद बेहतर होगी
- मसल रिकवरी के लिए जरूरी आराम

फिटनेस का गणित

- 80 किलो वजन = 160 ग्राम प्रोटीन जरूरी
- वेट गेन के लिए +100 कैलोरी अतिरिक्त
- शरीर के अनुसार डाइट प्लान जरूरी

> बॉडी बिल्डिंग ट्रेंड के बीच बिना जानकारी ऐसे प्रोडक्ट न लें

> जिम कल्चर के साथ सप्लीमेंट्स का बढ़ा चलन खतरनाक

> हार्मोनल सिस्टम पर सीधा असर, महिला खिलाड़ियों को ज्यादा दिक्कत

सप्लीमेंट नहीं, संतुलित भोजन ही असली ताकत

सप्लीमेंट्स कभी भी प्राकृतिक भोजन का विकल्प नहीं हो सकते। शरीर को सही पोषण संतुलित आहार (होल फूड्स) से ही मिलता है, क्योंकि इसका अवशोषण बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि सप्लीमेंट सिर्फ सहायक हो सकते हैं विकल्प नहीं। गलत या मिलावटी सप्लीमेंट्स लेने से हार्मोनल असंतुलन, पेट फूलना, एसिडिटी और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

-डॉ. शिल्पा आर्या, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशनिस्ट

सप्लीमेंट्स कभी भी प्राकृतिक भोजन का विकल्प नहीं

धावकों (एथलीट्स) को स्टेमिना के लिए कार्ब्स और प्रोटीन के संतुलन पर ध्यान देना चाहिए, जबकि पहलवानों (कुश्ती) को भारी ताकत के लिए हाई प्रोटीन और हाई कार्ब्स डाइट की आवश्यकता होती है। प्री-वर्कआउट सप्लीमेंट (जिसमें कैफीन अधिक होता है) और सोने के समय के बीच कम से कम 6 घंटे का अंतर होना चाहिए, ताकि नींद की गुणवत्ता प्रभावित न हो।

-सुमित, फिटनेस ट्रेनर

खबर संक्षेप

प्रणवी और अवनी ने कट में बनाई जगह

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं।

इंटरनेशनल सीरीज : कोचर शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला, जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे।

पंकज आडवाणी, चित्रा मागिमेइराज को खिताब

लुधियाना (भाषा)। अनुभवी पंकज आडवाणी ने जुझारू पुष्पेंदर सिंह को हराकर पहली बार राष्ट्रीय पूल चैम्पियनशिप खेलते हुए खिताब अपने नाम किया। पीएसपीबी के आडवाणी ने दस गेंद की पूल स्पर्धा के पुरूष फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आरएसपीबी के पुष्पेंदर को 11 . 9 से हराया । इसके बाद बेंगलुरू की चित्रा मागिमेइराज ने तमिलनाडु की नीना प्रवीण को 6.4 से हराकर महिला फाइनल जीता।

आईपीएल : रिजवी ने सिर्फ 51 गेंदों में बनाए 90 रन

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

मुकेश कुमार और कप्तान अक्षर पटेल की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद समीर रिजवी (90) की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से दिल्ली कैपिटल्स ने शनिवार को यहां मुंबई इंडियंस को 11 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मुंबई इंडियंस को छह विकेट पर 162 रन पर रोकने के बाद दिल्ली ने 18.1 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर हासिल कर लिया। पिछले मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन की पारी खेलने वाले रिजवी जब क्रीज पर आए, तब दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर सात रन था। उन्होंने 51 गेंदों में सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेलने के अलावा पाथुम निसांका (44) के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन और चौथे विकेट के लिए डेविड मिलर (नाबाद 21) के साथ 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी कर दिल्ली को जीत दिलाई। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कोर्बिन बोश ने एक-एक विकेट लिए। नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। उन्होंने रोहित शर्मा (35) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 और नमन धीर (28) के साथ पांचवें विकेट के लिए 37 रन की अहम साझेदारी की। रोहित ने 26 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया, तो वहीं नमन ने 21 गेंदों की पारी में दो चौके और एक छक्का जड़ा। दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने तीन ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। उन्हें अक्षर (22 रन पर एक विकेट), लुंगी एनगिडी (34 रन पर एक विकेट), विपराज निगम (24 रन पर एक विकेट) और टी. नटराजन (24 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत बेहद खराब रही। केएल राहुल (एक) पहले ओवर में ही दीपक चाहर की लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद को ग्लांस करने की कोशिश में विकेटकीपर रिकेल्टन को कैच दे बैठे, तो वहीं अगले ओवर में नीतिश राणा खाता खोले बगैर जसप्रीत बुमराह के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। चाहर इस बीच अपनी ही गेंद पर निसांका के करारे प्रहार को लपकने में नाकाम रहे और श्रीलंका के इस बल्लेबाज ने जीवनदान का जश्न अगले ओवर में सैंटनर के खिलाफ दो चौकों के साथ मनाया।

> मुंबई को 11 गेंद शेष रहते छह विकेट से हराया

आर्चर-देशपांडे के बेहतरीन आखिरी दो ओवरों से राजस्थान की गुजरात पर रोमांचक जीत

अहमदाबाद (भाषा)। तुषार देशपांडे के सटीक आखिरी ओवर की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल के बेहद रोमांचक मुकाबले में शनिवार को गुजरात टाइटंस को छह रन से हरा दिया। रॉयल्स की यह लगातार दूसरी जीत और गुजरात की लगातार दूसरी हार थी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स ने ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल के अर्धशतकों के दम पर छह विकेट पर 210 रन बनाये थे लेकिन साइ सुदर्शन की 73 रन की पारी के बावजूद गुजरात की टीम आठ विकेट पर 204 रन ही बना सकी। एक समय सात विकेट 161 रन पर गिर गए थे लेकिन कैगिसो रबाडा (नाबाद 23) और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान (24) टीम को जीत के करीब ले गए और आखिरी ओवर में दस रन की ही जरूरत थी। ऐसे में रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने नांद्रे बर्गर की बजाय देशपांडे को गेंद सौंपकर सभी को चौंका दिया। गेंदबाज ने हालांकि अपने कप्तान के भरोसे पर खरे उतरते हुए पहली वाइड गेंद के अलावा सभी सटीक गेंदें डाली। इस ओवर में चार रन ही बन सके और छक्का लगाने के प्रयास में राशिद सीमारेखा के पास जोफ्रा आर्चर को कैच दे बैठे। इससे पहले आर्चर ने 19वें ओवर में सिर्फ चार रन ही दिये थे।

> जुरेल ने 42 गेंद में 75 रन की शानदार पारी खेली

कुमार कुशाग्र ने 14 गेंद में 18 रन बनाये। उन्होंने सुदर्शन (44 गेंद में 73 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 78 रन जोड़े। सुदर्शन ने अपनी पारी में तीन छक्के और नौ चौके लगाये। गुजरात का स्कोर सुदर्शन के आउट होने से पहले एक विकेट पर 107 रन था लेकिन अचानक पांच विकेट पर 133 रन और सात विकेट पर 161 रन हो गया। राशिद और रबाडा ने हालांकि वापसी की कोशिश की लेकिन आखिरी ओवर में बाजी पलट गई। इससे पहले जुरेल के 42 गेंद में 75 रन और जायसवाल के अर्धशतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने छह विकेट पर 210 रन बनाये। जायसवाल ने 36 गेंद में 55 रन बनाये जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 18 गेंद में 31 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिये सिर्फ 6 . 2 ओवर में 70 रन बना डाले।

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों की परीक्षा आज

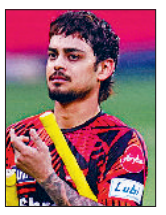

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आईपीएल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था, जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं।

दूसरी जीत की तलाश में आरसीबी सीएसके के लिए बॉलिंग चुनौती

बेंगलुरु। अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है। आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है।

एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता

विश्वनाथ सुरेश, सचिन, अंकुशिता और नरेंद्र ने पदक पक्का किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

विश्वनाथ सुरेश

सचिन

अंकुशिता

नरेन्द्र

एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में शनिवार को हुए मुकाबालों में देश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता मंगोलिया में आयोजित की जा रही है। विश्वनाथ सुरेश ने कजाकिस्तान के मौजूदा विश्व चैंपियन और विश्व नंबर 1 संझार ताशकेनबे को 5-0 से करारी शिकस्त देकर उलानबटार में आयोजित एशियन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, सचिन ने अपने भार वर्ग में बीटी चेंग वेई ली को 5-0 से हराकर मेडल पक्का किया। महिलाओं के 65 किलोग्राम वर्ग में अंकुशिता बोरो ने कजाकिस्तान की लौरा येसेनकेल्डी पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की और संयम और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला सेमीफाइनल में चीन की ताइपे की निएन-चिन चेन से होगा, जो 2025 विश्व मुक्केबाजी फाइनल की स्वर्ण पदक विजेता और पेरिस 2024 ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं।

पुरुषों के वर्ग में नरेंद्र ने यूएई के ओरखान अघायेव पर 5-0 से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में प्रवेश किया और अपनी लय बरकरार रखी। अब उनका अगला मुकाबला चीन के बायिकेवुजी दानाबिएके से होगा, जो 2022 एशियाई खेलों और 2025 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता रह चुके हैं। हरियाणा बॉक्सिंग संघ अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी इन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके देश का नाम रोशन किया है।

पंजाब के कप्तान अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के अनुसार, 'पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।'

क्ले कोर्ट चैंपियनशिप

अगस्टिन ने शेल्टन पर की जोरदार जीत हासिल

एजेंसी ▶▶ ह्यूस्टन

अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद शेल्टन पर जीत दर्ज की। टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए।

अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए। शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं। ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े। दूसरी सीड फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया। टियाफो का सामना एक ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल में पॉल से होगा, जबकि बुरुचागा का सामना एक ऑल-अर्जेंटीना मैचअप में टिरांटे से होगा।

भारत ने सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया

18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की, जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया।

18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा, जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते।

बैंकॉक पैरा तीरंदाजी में शीर्ष पर भारत

पायल की शीतल पर दूसरी जीत

पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट '10' के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार '9' और एक बार '10' का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार '10' का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रवासी मजदूर की बेटी हैं पायल

शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे। उन्होंने 2023-24 के दौरान कटरा स्थित माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड खेल परिसर में शीतल के साथ ही ट्रेनिंग की थी। इसके बाद शीतल सोनीपत चली गई थीं। बिना हाथों वाली शीतल भारत की सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली पैरा तीरंदाज बन गई हैं। उन्होंने 2022 में एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते और पेरिस 2024 में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतकर भारत की सबसे कम उम्र की पैरालंपिक पदक विजेता बन गईं।

श्रीशंकर ने 8.15 मी की कूद से इंडिया एथलेटिक्स सीरीज में स्वर्ण पदक जीता

बेंगलुरु (भाषा)। इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को यहां शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था। श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में रिलायंस का प्रतिनिधित्व कर रहीं एंसी सोजन ने 6.54 मीटर से पहला स्थान हासिल किया जीता।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

होर्मुज की लहरों पर भारत का दबदबा: तनाव के बीच सुरक्षित निकला 44,000 टन एलपीजी वाला टैंकर

ये महज एलपीजी से भरा जहाज नहीं है बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत का जहाज है

भारत की कूटनीति का कमाल, ईरान ने दिया रास्ता, सुरक्षित घर लौटा भारतीय पोत ग्रीन सान्वी

समंदर में 'कवच' बनी भारतीय डिप्लोमेसी, युद्ध के साए में भी नहीं रुकेगी आपकी रसोई की गैस

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत का मास्टरस्ट्रोक

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा- भारत के लिए हमेशा रास्ता खुला है

फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के संकट के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। भारतीय ध्वज वाला विशाल एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी दुनिया के सबसे खतरनाक और संवेदनशील समुद्री मार्ग, होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गया है। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस रास्ते को सुरक्षित पार करने वाला यह सातवां भारतीय पोत है। इस टैंकर में लगभग 44,000 टन एलपीजी मौजूद है, जो भारत की करीब आधे दिन की गैस खपत के बराबर है। भारत की यह सफलता केवल एक समुद्री यात्रा नहीं, बल्कि उसकी मजबूत डिप्लोमेसी का नतीजा है।

भारत सरकार ने अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए ईरान के साथ उच्च स्तरीय कूटनीतिक संपर्क बनाए रखा। इसी का परिणाम है कि ईरान ने भारत, रूस और चीन जैसे मित्र देशों के जहाजों को सुरक्षित गलियारा देने की अनुमति दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी स्पष्ट किया है कि भारत जैसे गैर-दुश्मन देशों के जहाजों को इस मार्ग पर कोई खतरा नहीं होगा। वर्तमान में फारस की खाड़ी के इस क्षेत्र में भारत के कुल 17 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कच्चे तेल, गैस और रसायनों से भरे टैंकर शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 'ग्रीन सान्वी' के बाद अब 'ग्रीन आशा' और 'जग विक्रम' जैसे दो और बड़े टैंकर भी जल्द ही भारत की सीमा में दाखिल होंगे। वैश्विक अस्थिरता और तनाव के इस दौर में, होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग से भारतीय जहाजों का सुरक्षित निकलना यह साबित करता है कि भारत अपनी समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा जरूरतों को लेकर पूरी तरह सजग और सक्रिय है।

चीन की ओर नहीं मुड़ा ईरान से आ रहा कोई जहाज सरकार ने भुगतान से जुड़ी खबरों को बताया बेबुनियाद

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरानी कच्चे तेल की खेप को लेकर फैल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गुजरात के वडीनार से ईरान का कच्चा तेल चीन की ओर मोड़ा गया। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है, जिसमें ईरान से आयात भी शामिल है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि ईरानी कच्चे तेल के भुगतान को लेकर किसी तरह की कोई बाधा नहीं है, जैसा कि कुछ अफवाहों में दावा किया जा रहा है। सरकार ने दोहराया कि आने वाले महीनों के लिए भारत की कच्चे तेल की आवश्यकताएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सप्लाई को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है।

अमेरिका का ईरान के बुशहर परमाणु प्लांट पर मिसाइल अटैक, इजराइल-लेबनान में भी धमाके

ईरान में अमेरिकी पायलट के लापता होने के बाद अब अमेरिका ने हमले तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में ईरान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास एक जोरदार धमाका हुआ। सुबह करीब 8:30 बजे गिरे इस रॉकेट की जद में आकर वहां तैनात एक सुरक्षा गार्ड की जान चली गई। राहत की बात यह रही कि परमाणु संयंत्र की मुख्य इमारतों और सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक,यह हमला अमेरिका और इजराइल की साझा साजिश का हिस्सा था। ईरान के औद्योगिक ढांचे को भी चोट पहुंचाने की कोशिश की गई है। ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में स्थित बंदर इमाम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स पर भी हवाई हमला हुआ है। इस हमले में कॉम्प्लेक्स को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान पर हुए इन हमलों के जवाब में लेबनान के हथियारबंद संगठन हिजबुल्लाह ने मोर्चा खोल दिया है। हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजरायल के किरिअत शमोना शहर को निशाना बनाते हुए रॉकेटों की बौछार कर दी है।

रडार को चकमा देने वाली मिसाइलों का जखीरा बाकी

टकरा रहा ईरान, 50 प्रतिशत क्षमता खत्म, फिर भी डटा

एआई इमेज

ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों ने अमेरिका इजराइल समेत खाड़ी देशों की नाक में दम कर रखा है। सच ये है कि ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदलकर रख दी है। ईरान ने दुनिया के सामने युद्ध का एक ऐसा मॉडल रखा है जहां वैश्विक शक्तियों का वर्चस्व खत्म होता है और पारंपरिक सेना की जरूरत खत्म होती है। ईरान की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में थाड और आयरन डोम जैसे मोस्ट एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम भी सौ फीसदी काबिल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में कोई कम शक्तिशाली देश अपनी मिसाइल शक्ति से वैश्विक शक्तियों को घुटने पर लाने की काबिलियत रखता है। ईरान की मिसाइल क्षमता ने देशों के मनोविज्ञान पर असर डाला है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू हुआ था और सिर्फ अमेरिका ने अभी तक ईरान पर साढ़े 12 हजार से ज्यादा टारगेट पर हमले किए हैं। फिर भी अमेरिका की खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि ईरान की 50 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइल क्षमता बनी हुई है।

ईरान ने आधुनिक युद्ध की परिभाषा बदली

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को पहले हमले में ही ईरान के कमांड सेंटर को तबाह कर दिया था। प्रतिबंधों की वजह से ईरान कभी भी एक मजबूत वायुसेना नहीं बना पाया। लेकिन उसने अपनी मजबूत बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों के दम पर युद्ध को एक महीने से ज्यादा खींच लिया। ये ईरान की जीत कही जाएगी। ईरान ने अपने हथियारों के जखीरे को एक आक्रामक हथियार के तौर पर नहीं, बल्कि एक रणनीतिक निवारक और शासन के अस्तित्व की गारंटी के तौर पर पेश किया है। इसी वजह से वह अलग-अलग स्थितियों का जवाब अलग-अलग तैयारियों के साथ देता है। ईरान की विनाशक मिसाइल भंडार 2022 के आंकड़ों के मुताबिक क्रूज मिसाइलों को छोड़कर ईरान के पास 3 हजार से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलों के होने का अंदाजा लगाया गया था। ईरान के पास मध्य पूर्व में सबसे बड़ा और सबसे विविध मिसाइल भंडार है। पिछले एक दशक में इसने अपनी मिसाइलों की सटीकता और अचूकता में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस युद्ध से पता चलता है कि ईरान ने पिछले 15-20 सालों में मिसाइल युद्ध लड़ने की जो रणनीति अपनाई थी वो सही साबित हुई है। वो इससे ज्यादा कुछ और कर भी नहीं सकता था। उसने ड्रोन युद्ध की नई परिभाषा लिख डाली है और यकीन मानिए दुनिया के तमाम देश ड्रोन युद्ध से सबक सीख रहे होंगे।

कमांडो और लड़ाकू हेलिकॉप्टर तैनात

लापता अमेरिकी पायलट के लिए 'रेस अगेंस्ट टाइम एलीट' को भेजा

ईरान के आसमान में शुक्रवार को मार गिराए गए अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान के लापता पायलट को खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच एक खतरनाक चूहे-बिल्ली का खेल शुरू हो गया है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन को सैन्य विशेषज्ञ रेस अगेंस्ट टाइम (समय के खिलाफ दौड़) करार दे रहे हैं, क्योंकि पायलट की सुरक्षा पर न केवल उसकी जान, बल्कि क्षेत्र के भविष्य का समीकरण भी टिका है। इजराइली रक्षा वेबसाइट वायनेट के अनुसार, अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज अपने अत्याधुनिक लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और एलीट इकाइयों के साथ दक्षिण-पश्चिमी ईरान के कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में सघन तलाशी अभियान चला रही हैं। यह क्षेत्र अपनी भौगोलिक जटिलता के लिए कुख्यात है। 1,600 किमी लंबी जाग्रोस पर्वतमाला, जिसकी चोटियां 4,200 मीटर से अधिक ऊंची हैं, घने जंगलों और संकरी घाटियों से भरी हुई है। अमेरिकी सेना के लिए यह इलाका एक किल जोन साबित हो सकता है।

66,000 डॉलर का इनाम रखा

लापता पायलट को अमेरिकी हाथों में जाने से रोकने के लिए ईरान ने मनोवैज्ञानिक युद्ध का सहारा लिया है। ईरानी मीडिया ने घोषणा की है कि पायलट को पकड़ने वाले को 66,000 डॉलर का नकद इनाम दिया जाएगा। यह कदम मुख्य रूप से स्थानीय कबीलों को लुभाने के लिए है, जो इन पहाड़ियों के चप्पे-चप्पे से वाकिफ हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस दुर्गम इलाके में दुनिया की कोई भी सेना स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता का मुकाबला नहीं कर सकती। वहीं ईरान के एक चैनल पायलट को शूट करने की अपील की है।

ट्रंप प्रशासन के लिए साख की लड़ाई

पायलट का लापता होना डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के लिए एक बड़ी कूटनीतिक और घरेलू चुनौती बन गया है। हाल ही में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर पूर्ण हवाई बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में विमान का गिरना और पायलट का लापता होना प्रशासन के लिए शर्मिंदगी का सबब है। यदि ईरान पायलट को बंधक बनाने में सफल होता है, शर्तों को मनवाने के लिए हथियार के रूप में इस्तेमाल करेगा।

लेबनान के टायर बंदरगाह और बेरूत के रिहायशी इलाकों पर बमबारी

लेबनान की सरकारी एजेंसी के मुताबिक, दक्षिण लेबनान के ऐतिहासिक शहर टायर में मछुआरों के बंदरगाह पर इजराइल ने हवाई हमला किया.इसमें एक शख्स की मौत हो गई। इजराइली सेना अब सीमावर्ती गांवों जैसे आयता अल-शाब और राम्या में हमले कर रही है। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी इलाके की तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं।

खबर संक्षेप

वॉशिंगटन की मेयर बन सकती हैं रिनी संपत

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

इसी कड़ी में भारतीय मूल की रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं।

रूस के यूक्रेन पर हमले में 5 लोगों की मौत

कीव। रूस द्वारा शुक्रवार रात यूक्रेन पर किए गए ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि

30 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रूस द्वारा ये हमले ऐसे समय किए गए हैं। जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तुर्किये के अपने समकक्ष रजब तैयब एर्दोआन के साथ वार्ता के लिए इस्तांबुल की यात्रा पर हैं। जेलेंस्की का ईस्टर्न क्रिश्चियन के आध्यात्मिक नेता हैं।

पीएम मोदी ने कहा-कांग्रेस चाहती है वेस्ट एशिया भारत को दुश्मन मान ले...

खाड़ी देशों की सरकारों से हमारी दोस्ती अच्छी, वे भारतीयों को 'परिवार' मान रहे

- *कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है*
- *केरल के लोगों की सुरक्षा के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध*

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवल्ला और पथनमथिट्टा में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण में खाड़ी देशों और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान युद्ध के बीच कांग्रेस समेत विपक्ष द्वारा लगाए आरोपों पर कड़ा पलटवार किया है। पीएम मोदी ने केरल के तिरुवल्ला में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशिया के देश भारत को अपना दुश्मन समझ लें। हम यहां ऐसा कोई बयान दे दें और गल्फ कंट्री से भारतीयों को बाहर निकाल दिया जाए। इसलिए कांग्रेस गल्फ कंट्री को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और उसे मोदी को गाली देने का मौका मिल जाए। पीएम मोदी ने कहा कि वो तो हमारी दोस्ती अच्छी है कि गल्फ की सभी सरकारें हमारे सभी भारतीयों को अपना ही परिवार मानकर रक्षा कर रही हैं। पीएम मोदी ने केरल की चुनावी

रैली में अमेरिका-इजराइल द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद बिगड़े हालात और भारत में विपक्ष की बयानबाजी पर खूब तीर चलाए। पीएम मोदी ने कहा कि अरे, राजनीति अपनी जगह है, चुनाव आते-जाते रहेंगे। मेरे लिए केरल के लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ा काम है और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूं। पीएम मोदी ने कहा कि लेकिन यहां से ऐसी-ऐसी भाषा बोली जा रही है। मैं उनको कहकर थक गया कि ये बोलने का समय नहीं है।

वहां रह रहे हमारे लाखों भाई-बहनों की सुरक्षा ही हमारा दायित्व है। इसलिए अनाप-शनाप बोलना बंद करो ताकि हमारे नौजवानों को, हमारी बेटियों को वहां कोई तकलीफ न हो। केरल विधानसभा चुनाव के लिए 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे।

पीएम मोदी के भाषण की 4 प्रमुख बातें

- *1. भारतीयों की सुरक्षा सर्वोपरि : प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि खाड़ी देशों में रह रहे लाखों भारतीयों, विशेषकर केरल के लोगों की सुरक्षा उनकी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा तनाव के बावजूद, भारत सरकार वहां फंसे भारतीयों और मछुआरों को सुरक्षित वापस लाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है।*
- *2. खाड़ी देशों के साथ मजबूत संबंध : पीएम मोदी ने खाड़ी देशों की सरकारों के साथ भारत के प्रगाढ़ संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि खाड़ी देशों की सरकारें वहां रहने वाले भारतीयों को अपना परिवार मानती हैं और उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती हैं। यह भारत की मजबूत विदेश नीति और व्यक्तिगत संबंधों का ही परिणाम है कि संकट के समय में भी हमारे नागरिकों को वहां प्राथमिकता दी जा रही है।*
- *3. विपक्ष (कांग्रेस) पर कड़ा प्रहार: पीएम ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा हमला करते हुए उन पर 'खतरनाक राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ऐसे बयान दे रहे हैं जिससे खाड़ी देशों के साथ भारत के रिश्ते खराब हो सकते हैं। पीएम का आरोप था कि कांग्रेस चाहती है कि खाड़ी देश भारत को अपना दुश्मन समझें, ताकि वहां रह रहे भारतीयों के लिए मुसीबत खड़ी हो और कांग्रेस को मोदी पर हमला करने का मौका मिल सके। उन्होंने विपक्ष को चेतावनी दी कि वे राजनीतिक फायदे के लिए खाड़ी देशों में रह रहे लोगों की जान जोखिम में न डालें और बकवास बयानबाजी बंद करें।*
- *4. संकट के समय कूटनीति : प्रधानमंत्री ने बताया कि वह खाड़ी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पैनिक (डर) फैलाने की कोशिश कर रहा है, जबकि सरकार कूटनीतिक रास्तों से यह सुनिश्चित कर रही है कि हमारे युवाओं और बेटियों को वहां कोई परेशानी न हो।*

विदेश मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में जताया आर्मेनिया की सरकार के प्रति आभार

ईरान से आर्मेनिया के रास्ते भारत पहुंचे 345 मछुआरे: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में संकट से उपजे तनाव के मध्य भारत ने अब तक ईरान से अपने 1200 नागरिकों को सड़क मार्ग से आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंचाया है। यहां से जल्द ही इन लोगों की वतन वापसी होगी। वहीं, विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने शनिवार को 'एक्स' पर की गई अपनी एक पोस्ट में बताया कि ईरान से आज भारत के मछुआरों को आर्मेनिया के रास्ते भारत तक पहुंचाने को लेकर प्रदान की गई सुविधा के लिए नई दिल्ली, आर्मेनिया की सरकार और वहां के विदेश मंत्री अरारत मिर्जोयान का धन्यवाद करती है। इस कवायद के जरिए 345 मछुआरे चेन्नई पहुंच गए हैं। ज्ञात हो कि ईरान से उसके पड़ोसी देशों आर्मेनिया और अजरबैजान पहुंचे भारतीयों का यह आंकड़ा बीते दिनों राजधानी में हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दिया था। जिसमें उन्होंने यह भी कहा था कि ईरान के अंदर भी देश के लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। इसके अलावा 1200 लोगों में 800 से अधिक छात्र भी शामिल हैं। इजरायल से देश को लोगों को जॉर्डन के रास्ते और बहरीन, कुवैत से सऊदी-अरब के रास्ते सुरक्षित भारत वापस लाया जा रहा है।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध सरकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर भी लगातार ईरान के शीर्ष नेताओं जैसे राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची सहित खाड़ी क्षेत्र के अन्य देशों के अपने समकक्षों से संपर्क में बने हुए हैं। जिसमें युद्ध से जूझ रहे इलाके में रहने वाले लगभग 1 करोड़ भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा होर्मुज के साथ-साथ समुद्री नौवहन से जुड़े सभी जलमार्गों पर जहाजों की स्वतंत्र आवाजाही की पैरवी करते हुए सभी पक्षों से बातचीत और कूटनीति के माध्यम से जल्द से जल्द इस संघर्ष का समाधान निकालने की अपील की गई है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109